■ भाद्रपद शुक्ल - 7 ■ संवत 2082 ■ वर्ष - 21 ■ अंक - 37 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » शनिवार » 30-08-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 संभल दंगों की साजिश की पुष्टि करती है न्यायिक आयोग की रिपोर्ट : योगी

6 मानवीय अत्याचारों के खिलाफ रौद्र रूप दिखा रही प्रकृति

7 नोरा फतेही ने लॉस एंजिल्स में डांस वर्कशॉप में मचाई धूम

जापान और भारत मिलकर करेंगे प्रौद्योगिकी क्रांति का नेतृत्व : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

टोक्यो 29 अगस्त (वार्ता) प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने यहां शुक्रवार को जापान को भारत की विकास यात्रा में अहम साझीदार करार देते हुए जापानी उद्योग जगत से विनिर्माण, प्रौद्योगिकी, नयी पीढी के बुनियादी ढांचे , स्वच्छ ऊर्जा और कौशल विकास जैसे क्षेत्रों में मिलकर आगे बढने का आह्वान किया और कहा कि जापान की प्रौद्योगिकी और भारत की प्रतिभा मिलकर इस सदी की प्रौद्योगिकी क्रांति का नेतृत्व कर सकते हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि दोनों देश मिलकर एशिया की इस सदी में स्थिरता, विकास और समृद्धि को एक नया आयाम देंगे। उन्होंने कहा कि एशिया ही नहीं दोनों देश मिलकर ग्लोबल साउथ विशेषकर अफ्रीका के विकास में भी अहम योगदान दे सकते हैं।

जापान की दो दिन की यात्रा पर सुबह यहां पहुंचे मोदी ने अपने जापानी समकक्ष के साथ भारत-जापान आर्थिक फोरम को संबोधित करते हुए कहा कि भारत की विकास यात्रा में जापान हमेशा एक अहम भागीदार रहा है।

विशेष रूप से आटो सेक्टर तथा विनिर्माण क्षेत्र में भारत और जापान की साझेदारी की सफलता का उल्लेख करते हुए उन्होंने जापानी उद्योग जगत से भारत के साथ मिलकर काम करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा , मैं आप सबसे आग्रह करता हूँ- आइए मेक इन इंडिया , मेक फॉर द वर्ल्ड । भारत ने एआई, सेमीकंडक्टर, क्वांटम कंम्पयूटिंग , बायोटेक और अंतरिक्ष में साहसिक तथा महत्वाकांक्षी पहल की है। जापान की प्रौद्योगिकी और भारत की प्रतिभा मिलकर इस सदी की प्रौद्योगिकी क्रांति का नेतृत्व कर सकते हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि जापान के सहयोग से मुंबई और अहमदाबाद हाई स्पीड रेल पर काम चल रहा है लेकिन दोनों देशों की यह यात्रा यहीं नहीं रूकती।

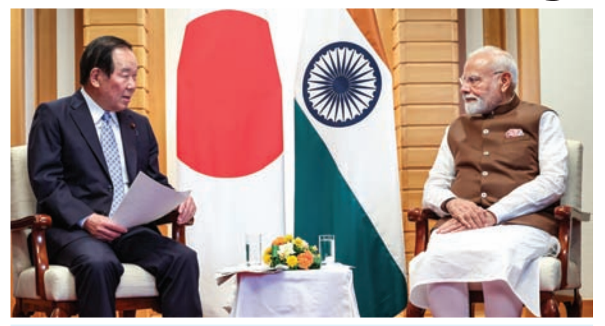

जापान भारत में करेगा 10 हजार अरब येन का निवेश

टोक्यो/भाषा। जापान ने शुक्रवार को भारत में एक दशक में 10 हजार अरब येन के निवेश का लक्ष्य रखा और दोनों पक्षों ने महत्वपूर्ण खनिजों, रक्षा और प्रौद्योगिकी जैसे कई प्रमुख क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के लिए एक बड़ी रूपरेखा तैयार की। यह निर्णय व्यापार और शुल्क पर अमेरिकी ट्रंप प्रशासन की नीतियों के कारण आर्थिक उथल-पुथल के बीच लिया गया। भारत-जापान विशेष रणनीतिक और वैश्विक साझेदारी के विस्तार की घोषणाएं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और उनके जापानी समकक्ष शिगेरू इशिबा के बीच शिखर वार्ता के बाद की गईं।

मोदी ने इशिबा के साथ मीडिया को दिए अपने बयान में कहा, हमने अगले 10 वर्षों में जापान से भारत में 10 हजार अरब येन के निवेश का लक्ष्य रखा है। हमने निवेश, नवाचार और आर्थिक सुरक्षा सहित विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग के लिए 10 वर्षीय रोडमैप तैयार किया है।

चंद्रयान-5 के लिए समझौता

टोक्यो/भाषा। भारत और जापान ने शनिवार को चंद्रयान-5 मिशन के लिए कार्यान्वयन व्यवस्था पर हस्ताक्षर किए, जो दोनों देशों की अंतरिक्ष एजेंसियों द्वारा चंद्रमा के ध्रुवीय क्षेत्र का संयुक्त अन्वेषण है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की यहां यात्रा के दौरान भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) और जापान एयरोस्पेस एक्सप्लोरेशन एजेंसी (जेएएक्सए) के बीच संयुक्त चंद्र ध्रुवीय अन्वेषण मिशन के संबंध में कार्यान्वयन व्यवस्था पर हस्ताक्षर किए गए। चंद्रयान-5 मिशन का उद्देश्य चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव में स्थायी रूप से छायांकित क्षेत्र (पीएसआर) के आसपास के क्षेत्र में चंद्रमा के पानी समेत अस्थिर पदार्थों का अध्ययन करना है। इस मिशन को जाक्सा द्वारा अपने एच3-24एल प्रक्षेपण यान से प्रक्षेपित किया जाएगा, जिसमें इसरो निर्मित चंद्र लैंडर होगा, जो जापान निर्मित चंद्र रोवर को ले जाएगा। इसरो, चंद्र लैंडर के विकास के अलावा, चंद्र ध्रुवीय क्षेत्र में मौजूद वाष्पशील पदार्थों के अन्वेषण और यथास्थान विश्लेषण के लिए मिशन हेतु कुछ वैज्ञानिक उपकरण विकसित करने के लिए भी जिम्मेदार है।

देश को घुसपैठियों से मुक्त करने के अपने वादे को पूरा करेगी भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) देश को घुसपैठियों से मुक्त करने का अपना वादा पूरा करेगी। शाह ने असम के पहले गैर-कांग्रेसी मुख्यमंत्री गोलाप बोरबोरा की जन्म शताब्दी पर गुवाहाटी में आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा स्वतंत्रता दिवस के भाषण में घोषित केंद्र का उच्च स्तरीय जनसांख्यिकी मिशन देश के जनसांख्यिकीय स्वरूप के अध्ययन और घुसपैठियों की पहचान की दिशा में एक निर्णायक कदम है।

उन्होंने कहा, ''हमने असम से वादा किया था, लेकिन हम 10 वर्षों में इसे पूरा नहीं कर पाए। लेकिन हम अपना वादा निभाएंगे और असम तथा पूरे देश को अवैध विदेशियों से मुक्त बनाएंगे।''

शाह ने कहा कि उच्चस्तरीय जनसांख्यिकी मिशन बोरबोरा की विचारधारा पर आधारित है और यह उचित है कि इसकी घोषणा उसी वर्ष की गई है, जिस वर्ष समाजवादी नेता की जन्म शताब्दी मनाई जा रही है। उन्होंने कहा, ''यह मिशन देश में जनसांख्यिकीय स्वरूप में बदलाव का अध्ययन करेगा और घुसपैठियों की पहचान भी करेगा... मुझे विश्वास है कि यह देश को घुसपैठियों से मुक्त करने की दिशा में एक बड़ा कदम होगा।'' शाह ने कहा,''मैं उन लोगों में से हूं जिनका मानना है कि हमारे देश में एक भी घुसपैठिया नहीं रहना चाहिए।''

केंद्रीय गृहमंत्री ने याद किया कि कैसे मार्च 1978 से सितंबर 1979 तक राज्य में जनता पार्टी की सरकार का नेतृत्व करने वाले बोरबोरा ने मंगलदाई लोकसभा सीट के लिए उपचुनाव की आवश्यकता पड़ने पर मतदाता सूची को सुधारने का अभियान चलाया था।

■ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा स्वतंत्रता दिवस के भाषण में घोषित केंद्र का उच्च स्तरीय जनसांख्यिकी मिशन देश के जनसांख्यिकीय स्वरूप के अध्ययन और घुसपैठियों की पहचान की दिशा में एक निर्णायक कदम है।

राजनीति तोड़ती है, धर्म जोड़ता है : शिवराज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। पीड़ित मानव मात्र की सेवा को ही भगवान की पूजा बताते हुए केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शुक्रवार को यहां कहा कि राजनीति तोड़ती है, लेकिन धर्म जोड़ता है और आज धर्म ने सभी को पीड़ित मानवता की सेवा के लिए जोड़ दिया हैं। कृषि मंत्री चौहान कर्नाटक में मैसूरु में स्थित श्री सुत्तूर मठ में डॉ. शिवरात्रि राजेंद्र महास्वामीजी की 110वीं जन्म जयंती से जुड़े समारोह को संबोधित कर रहे थे। देशवासियों से स्वदेशी वस्तुओं के इस्तेमाल की अपील करते हुए चौहान ने कहा कि इससे देश की अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आह्वान पर एक संकल्प हर देशवासी को लेना चाहिए कि हम दैनिक जीवन में उन्हीं वस्तुओं का उपयोग करेंगे, जो हमारे देश में बनी हों। ये जरूरी है, इससे हमारे देश की अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। विश्वास है कि देशवासी इस दिशा में एक नया इतिहास रचेंगे। सिंह ने कहा कि शिवरात्रि राजेंद्र महास्वामी के मार्गदर्शन में सुत्तुर मठ सेवा का पर्याय बन गया है। उन्होंने कहा कि मानवता की सेवा ही भगवान की पूजा है।

बिहार में 'संदिग्ध नागरिकता' को लेकर तीन लाख मतदाताओं को नोटिस दिए गए

नई दिल्ली/भाषा। बिहार में निर्वाचन अधिकारियों ने 'संदिग्ध नागरिकता' को लेकर लगभग तीन लाख मतदाताओं को नोटिस जारी किए हैं। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। ये तीन लाख मतदाता उन 7.24 करोड़ लोगों में शामिल हैं, जिनके नाम बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के तहत एक अगस्त को प्रकाशित मसौदा मतदाता सूची में हैं। अधिकारियों ने जमीनी रिपोर्ट का हवाला देते हुए बताया कि जिन लोगों को नोटिस जारी किए गए हैं, उनके बांग्लादेश, नेपाल, म्यांमा और यहां तक कि अफगानिस्तान से आने का संदेह है। दस्तावेजों के सत्यापन के दौरान निर्वाचन पंजीकरण अधिकारियों (ईआरओ) ने विसंगतियां पाईं। उन्होंने बताया कि इसके बाद जमीनी स्तर पर पूछताछ की गई और नोटिस जारी किए गए।

इसरो की नजर मंगल ग्रह पर उतरने और वहां आवास बनाने पर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत अगले चार दशकों में मंगल ग्रह पर 3डी-मुद्रित आवास स्थापित करने और लाल ग्रह पर मनुष्यों को उतारने के लिए पूर्ववर्ती मिशन शुरू करने की योजना बना रहा है। यह बात भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) द्वारा भविष्य के लिए तैयार किए गए रोडमैप में कही गई है।

यह रोडमैप अंतरिक्ष एजेंसी द्वारा किए गए राष्ट्रव्यापी विचार-विमर्श का परिणाम है, जिसका समापन पिछले सप्ताहांत यहां राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस समारोह में हुआ।

रोडमैप के अनुसार, भारत की योजना 2047 तक चंद्रमा पर एक 'क्रू स्टेशन' बनाने, खनिजों और अन्य संसाधनों के लिए खनन करने, चालक दल वाले चंद्र भू-भाग वाहनों को संचालित करने और प्रणोदक डिपो बनाने की है, जो अंतर-ग्रहीय अभियानों को ईंधन प्रदान कर सकें और पृथ्वी के एकमात्र प्राकृतिक उपग्रह पर अंतरिक्ष यात्रियों के प्रवास को सहायता प्रदान कर सकें।

इसरो ने अपने प्रक्षेपण यानों को भी महत्वपूर्ण रूप से उन्नत करने की योजना बनाई है, जिसका लक्ष्य एक ही मिशन में 150 टन के 'पेलोड' को कक्षा में पहुँचाना होगा। वर्तमान में, इसरो का प्रक्षेपण यान जीएसएलवी मार्क-3 भू-समकालिक स्थानांतरण कक्षा में चार टन तक के 'पेलोड' को और पृथ्वी की निचली कक्षा में आठ टन तक के 'पेलोड' को ले जा सकता है।

अंतरिक्ष एजेंसी वर्तमान में चंद्र मॉड्यूल प्रक्षेपण यान (एल.एम.एल.वी.) का विकास कर रही है, जिसकी क्षमता 80 टन 'पेलोड' को पृथ्वी की निचली कक्षा तक तथा 27 टन 'पेलोड' को चंद्रमा के पार कक्षा तक ले जाने की है।

इसरो के अध्यक्ष वी. नारायणन ने पिछले सप्ताह कहा था कि एलएमएलवी 119 मीटर ऊंचा यानी 40 मंजिला इमारत के बराबर होगा और इसके 2035 तक तैयार होने की उम्मीद है। उन्होंने कहा था कि इसरो चंद्र अभियानों के लिए एलएमएलवी का उपयोग करने की योजना बना रहा है, जिसमें 2040 में चंद्रमा पर पहला मानव मिशन भी शामिल है।

फर्स्ट टेक

रुपया अबतक के सबसे निचले स्तर 88.09 प्रति डॉलर पर

मुंबई/भाषा। भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर बढ़ते तनाव के बीच अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया शुक्रवार को पहली बार 88 के स्तर को पार कर गया। कारोबार के अंत में यह 51 पैसे की भारी गिरावट के साथ 88.09 प्रति डॉलर के अब तक के सबसे निचले स्तर पर बंद हुआ। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि अमेरिका के भारी शुल्क लगाने, विदेशी पूंजी की निरंतर निकासी और महीने के आखिरी में डॉलर मांग से रुपया लगातार दबाव में है। इसके अलावा, घरेलू शेयर बाजारों में कमजोर रुख ने भी बाजार की धारणा को प्रभावित किया।

21 सितंबर से 30 नवंबर तक 150 विशेष पूजा ट्रेन चलायी जायेंगी

नयी दिल्ली/भाषा। रेलवे बोर्ड ने त्योहारों के दौरान यात्रियों की भारी भीड़ के मद्देनजर 21 सितंबर से 30 नवंबर तक 150 पूजा विशेष ट्रेन चलाने के संबंध में अधिसूचना जारी की है, जो कुल 2,024 चक्कर लगाएंगी। रेलवे अधिकारियों ने बताया कि पूजा स्पेशल ट्रेन श्रृंखला के तहत, दक्षिण मध्य रेलवे सबसे ज़्यादा 48 ट्रेन चलाएगा, जो 684 फेरे लगायेंगी। रेलवे की ओर से जारी एक विज्ञप्ति में कहा गया है, ''ये ट्रेन मुख्य रूप से हैदराबाद, सिकंदराबाद और विजयवाड़ा जैसे प्रमुख स्टेशनों से चलायी जायेंगी।'' विज्ञप्ति में कहा गया है, ''पूर्व मध्य रेलवे ने 14 ट्रेन को अधिसूचित किया है जो बिहार के पटना, गया, दरभंगा और मुजफ्फरपुर जैसे प्रमुख स्टेशनों से होकर गुज़रेंगी और कुल 588 चक्कर लगायेंगी।''

ईडी ने इंटरपोल से 'पर्पल नोटिस' जारी करवाया

नयी दिल्ली, 29 अगस्त (भाषा) प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शुक्रवार को कहा कि उसने व्यापार आधारित धन शोधन मामले में इंटरपोल द्वारा पहली बार 'पर्पल नोटिस' नोटिस जारी करवाया है। संघीय जांच एजेंसी ने एक बयान में कहा कि यह नोटिस ल्योन स्थित वैश्विक पुलिस निकाय द्वारा 21 अगस्त को जारी किया गया। 'पर्पल नोटिस' इंटरपोल द्वारा जारी किये जाने वाले आठ प्रकार के नोटिस में से एक है। यह अपने 196 सदस्य देशों को अपराधियों की कार्यप्रणाली, वस्तुओं, उपकरणों और उनके छिपने के तरीकों के बारे में जानकारी प्रदान करता है। संघीय एजेंसी ने बताया, '' पर्पल नोटिस का प्रकाशन प्रवर्तन निदेशालय द्वारा जागरूकता पैदा करने और अपने वैश्विक समकक्षों को इन नए उभरते धन शोधन रुझानों के प्रति संवेदनशील बनाने का एक प्रयास है।''

30-08-2025 सूर्यास्त 6:31 बजे	31-08-2025 सूर्योदय 6:08 बजे
BSE 79,809.65 (-270.92)	NSE 24,426.85 (-74.05)
सोना 10,637 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	चांदी 122,001 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

चुनावी राग

आने लगे चुनाव पास में,
दिखने लगे सभी को दाग।
कोई चतुर भेड़िया दिखता,
कोई दिखने लग गया नाग।
तज गहरी तंद्रा को जल्दी,
हे सोये मतदाता जाग।
समझ बेसुरी इन तानों को,
हैं ये सिर्फ चुनावी राग।।

सरकार निर्यात को बढ़ावा देने के लिए जल्द ही कई कदम उठाएगी : पीयूष गोयल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शुक्रवार को कहा कि सरकार देश के निर्यात को बढ़ावा देने के लिए घरेलू एवं वैश्विक पहुंच बढ़ाने को लेकर जल्द ही कई कदम उठाएगी। उन्होंने निर्यातकों को व्यापार के मोर्चे पर किसी देश की एकतरफा कार्रवाई के कारण उत्पन्न मौजूदा वैश्विक अनिश्चितताओं से निपटने के लिए हरसंभव मदद का आश्वासन भी दिया।

अमेरिका ने 27 अगस्त से भारतीय सामानों पर 50 प्रतिशत का भारी शुल्क लगा दिया है। इस उच्च शुल्क से कपड़ा, चमड़ा, जूते और झींगा जैसे कुछ श्रम-प्रधान क्षेत्रों के निर्यात पर असर पड़ने की आशंका है।

गोयल ने उद्योग जगत के एक कार्यक्रम में कहा, सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि आप सभी को किसी एकतरफा कार्रवाई से उत्पन्न वर्तमान स्थिति को संभालने में किसी भी तनाव या कठिनाइयों का सामना न करना पड़े। उन्होंने उद्योग जगत से उन क्षेत्रों का पता लगाने का भी आग्रह किया जो इन शुल्क से प्रभावित हो सकते हैं और जिन्हें वैकल्पिक बाजारों की आवश्यकता है। मंत्री ने कहा, हम वाणिज्य मंत्रालय में, अपने दूतावासों के माध्यम से दुनिया के अन्य हिस्सों तक पहुंच रहे हैं ताकि उन अन्य अवसरों की तलाश की जा सके जिनका हम लाभ उठा सकते हैं। हम घरेलू खपत को बढ़ावा देने पर भी विचार कर रहे हैं...''

उन्होंने कहा, आप जल्द ही अगले सप्ताह जीएसटी परिषद की बैठक देखेंगे... ताकि इन बदलावों का प्रभाव आप सभी को बहुत जल्दी महसूस हो सके और इससे पूरे घरेलू विनिर्माण क्षेत्र में मांग को तेजी से बढ़ावा मिल सके। केंद्र ने माल एवं सेवा कर (जीएसटी) दरों को युक्तिसंगत बनाने पर गठित मंत्रिसमूह (जीओएम) के समक्ष पांच प्रतिशत और 18 प्रतिशत की दो-स्तरीय जीएसटी संरचना के साथ-साथ कुछ चुनिंदा वस्तुओं पर 40 प्रतिशत की विशेष दर का प्रस्ताव रखा है। गोयल ने कहा कि सरकार निर्यात में विविधता लाने के लिए भारतीय दूतावासों सहित सभी संबंधित पक्षों के साथ परामर्श कर रही है। उन्होंने कहा, मैं आप सभी को आश्वस्त कर सकता हूं कि आने वाले दिनों में सरकार प्रत्येक क्षेत्र को सहायता देने के लिए विभिन्न कदम उठाएगी। इससे घरेलू पहुंच का विस्तार होगा तथा विश्वभर के अन्य बाजारों में पूरक अवसरों की तलाश होगी जिससे हमारी वैश्विक पहुंच बढ़ेगी। परिणामस्वरूप इस वर्ष हमारा निर्यात पिछले वर्ष के निर्यात से अधिक रहेगा। मंत्री ने कहा, यह वर्ष हमारे आत्मविश्वास को परिभाषित करेगा।

आध्यात्मिक गुणों के लिए तपस्या ही सबसे बड़ा आलंबन : मुनि चारित्ररत्नविजय

जैन मुनि से प्रेरणा पाकर जैनत्तर दम्पति ने किए आठ दिनों के उपवास

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शंखेश्वर। जैन धर्म के महान तीर्थ शंखेश्वर जैन तीर्थ में श्री राजेंद्रसूरी नवकार मंदिर में चातुर्मास के लिए विराजित सौधर्म बृहत्तपगच्छीय त्रिस्तुतिक जैनाचार्य श्री जयंतसेनसूरीजी के शिष्य मुनि चारित्ररत्नविजयजी अजितसेन विजयजी के सान्निध्य में पर्वाधिराज पर्युषण महापर्व की आराधना हुई, जिसमें जैन समाज एवं जैनेतर समाज के लोगों ने भाग लिया।

इस बार पर्युषण पर्व की विशेषता रही कि तपस्या में बनासकांठा जिले के मोरिला गाँव के जैनेतर दम्पति रमेश नाई और उनकी पत्नी रेवाबाई नाई ने मुनिश्री चारित्ररत्नविजयजी के उपदेशों से प्रेरित होकर जैन धर्म की कठिन तपस्या के आठ उपवास कि ए। इस अवसर पर मुनिश्री ने तप की महिमा बताते हुए कहा कि जैन धर्म में आने

वाले अनेक पर्वों में पर्वाधिराज पर्युषण का मुख्य संदेश है कि शरीर और आत्मा अलग- अलग हैं।

इस पर्व में जैन और अजैन सभी धर्मावलंबी सम्मिलित होकर तप करते हैं, क्योंकि तप से रोग दूर होते हैं और शरीर व आत्मा की शुद्धि होती है। जैन धर्म और उसके आचार ओर विचारों में आस्था रखने वाले लोग जैन धर्म के त्योहारों को पर्व के रूप में मनाते हैं क्योंकि यह त्योहार त्याग, तपस्या, संयम और साधना के साथ- साथ जीवदया के पालन पर केंद्रित है, जिससे उन्हें आध्यात्मिक आनंद मिलता है।

मुनिश्री ने उपवास की समय सीमा बताते हुए कहा कि जैन धर्म के तप अत्यंत कठिन होते हुए भी आस्था से भरपूर हैं। जैन धर्म में यदि किसी को केवल एक दिन का उपवास करना हो तो वह उपवास केवल चौबीस घंटे का नहीं होता, वह उपवास जो अगले दिन सूर्यास्त से शुरू होकर अगले दिन सूर्योदय के बाद समाप्त होता है, अर्थात न्यूनतम 36 घंटे का उपवास होता है। इस उपवास के दौरान किसी भी प्रकार का भोजन ग्रहण नहीं करना होता।

जैनेतर दम्पति को जैनाचार्यश्री महानंदसूरीश्वरजी, पूर्णचंद्रसूरीश्वरजी लेखेंद्रसूरीश्वरजी, दिव्यशचंद्रसूरीश्वरजी का आशीर्वाद भी प्राप्त हुआ। जैन धर्मावलंबियों ने तपस्वी दम्पति का सम्मान किया। तपस्वी दम्पति ने सम्मान में प्राप्त राशि और अपनी ओर से नकद राशि मिलाकर पूरी राशि जीवदया में दान कर दी, जिसकी पूरी सभा में सराहना हुई।

जब तक मराठा समुदाय की मांगें नहीं मान ली जातीं, पीछे नहीं हटेंगे : जरांगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। मराठा आरक्षण आंदोलन के नेता मनोज जरांगे ने शुक्रवार को दक्षिण मुंबई के आजाद मैदान में अनशन शुरू किया और कहा कि समुदाय की मांगें पूरी होने तक वे पीछे नहीं हटेंगे।

सरकार ने कहा कि वह जरांगे की मांगों को लेकर उनसे बातचीत के लिए तैयार है जबकि राज्य के मराठवाड़ा क्षेत्र के सांसदों और विधायकों ने आंदोलन स्थल पर पहुंचकर जरांगे से मुलाकात की।

केसरिया टोपी, स्कार्फ पहने और झंडा थामे जरांगे (43) के हजारों समर्थकों ने सुबह करीब 9:45 बजे आंदोलन स्थल पर उनका जोरदार स्वागत किया।

जरांगे ने समर्थकों को संबोधित करते हुए कहा, जब तक हमारी मांगें पूरी नहीं हो जातीं, मैं पीछे नहीं हटूंगा। चाहे मुझे गोली मार दी जाए, मैं पीछे नहीं हटूंगा। उन्होंने कहा कि सरकार की ओर से सहयोग की कमी ने समुदाय को मुंबई तक मार्च करने के लिए मजबूर किया। उन्होंने कहा, अब जब सरकार ने आंदोलन की अनुमति दे दी है, तो हमें पुलिस के साथ सहयोग करना चाहिए और यह सुनिश्चित करना चाहिए कि हम ऐसा कुछ भी न करें जिससे समुदाय की छवि धूमिल हो। पूर्वाह्न 10 बजे से अनशन शुरू करने वाले जरांगे ने अपने समर्थकों से बार-बार शांतिपूर्ण तरीके से विरोध प्रदर्शन करने और मुंबईवासियों को असुविधा न पहुंचाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि कुछ लोगों ने उपद्रव मचाया है और आंदोलनकारी पता लगाएं कि वे कौन हैं और किस जिले से आए हैं।

जरांगे ने कहा, दो घंटे में सड़कें खाली कराएं और सुनिश्चित करें कि मुंबईवासियों को परेशानी न हो। जो लोग आज शहर से जाना चाहते हैं, वे ऐसा कर सकते हैं। उन्होंने आंदोलन के लिए पुलिस की ओर से केवल एक दिन की अनुमति मिलने पर अफसोस जताया।

जरांगे ने कहा, हमने मुंबई आने का फैसला किया और हम आ गए। हमें उम्मीद है कि सरकार और अदालत हमें आंदोलन जारी रखने की अनुमति देंगे। हम एक और आवेदन प्रस्तुत करेंगे। उन्होंने सरकार से विरोध प्रदर्शन के लिए और दिनों का समय देने की भी अपील की।

जरांगे ने कहा, हम चाहते हैं कि सरकार हमें आरक्षण दे और हमारी सभी मांगें मान ले। मैं मुख्यमंत्री से आग्रह करता हूं कि वह मराठों का आक्रोश न भड़कने दें। आप मुझे गोली मार सकते हैं या जेल में डाल सकते हैं। मैं जेल में सड़ जाऊंगा, लेकिन जब तक हमारी मांगें पूरी नहीं हो जातीं, तब तक मैं हिलूंगा नहीं।

एनआईए ने हथियारों की तस्करी के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने नगालैंड से हथियारों और गोला-बारूद की तस्करी कर बिहार लाने के मामले में वांछित एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि मंजूर खान उर्फ बाबू भाई मुख्य आरोपी विकास कुमार का करीबी सहयोगी है, जो नगालैंड से बिहार में एके-47 राइफलों सहित प्रतिबंधित बोर के हथियारों की तस्करी में सक्रिय रूप से संलिप्त था। संघीय आतंकवाद रोधी एजेंसी ने यहां जारी एक बयान में बताया कि उसकी जांच में खुलासा हुआ है कि मंजूर ने अपने सह-आरोपियों के साथ सार्वजनिक शांति और सुरक्षा को भंग करने के इरादे से प्रतिबंधित हथियारों की तस्करी करने की साजिश रची, जिससे राष्ट्रीय सुरक्षा खतरे में पड़ गई। एनआईए ने अगस्त 2024 में मामले की जांच अपने हाथ में ली थी और उसने जांच के दौरान साजिश में मंजूर की भूमिका का खुलासा किया।

सोना 2,100 रुपये उछलकर 1,03,670 रुपये प्रति 10 ग्राम के नए शिखर पर, चांदी 1,000 रुपये फिसली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

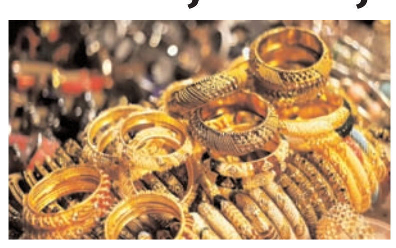

नई दिल्ली/भाषा। स्टॉकिस्टों की लिवाली जारी रहने और रुपये के विनिमय दर में गिरावट के कारण शुक्रवार को राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में सोने की कीमत 2,100 रुपये उछलकर 1,03,670 रुपये प्रति 10 ग्राम के नए उच्चतम स्तर पर पहुंच गई। अखिल भारतीय सर्राफा संघ ने यह जानकारी दी। बृहस्पतिवार को 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत 1,01,570 रुपये प्रति 10 ग्राम रही थी।

लगातार चौथे कारोबारी सत्र में तेजी जारी रखते हुए 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत शुक्रवार को 2,100 रुपये उछलकर 1,03,100 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी करों सहित) के नए सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गई। एक दिन पहले यह 1,01,000 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुई थी। इससे पहले, 99.9 और 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाले सोना आठ अगस्त को क्रमशः 1,03,420 रुपये और 1,03,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के अपने सर्वकालिक उच्च स्तर पर थे। उस समय सोने की कीमतों में 800 रुपये प्रति 10 ग्राम की वृद्धि हुई थी। इससे पहले सात अगस्त को सोने की कीमत में 3,600 रुपये प्रति 10 ग्राम की भारी वृद्धि दर्ज की गई थी।

एचडीएफसी सिक्योरिटीज के वरिष्ठ विश्लेषक (कमोडिटीज) सौमिल गांधी ने कहा, कमजोर रुपये और विदेशी बाजारों में सकारात्मक रुख के चलते घरेलू बाजारों में सोने की कीमतों में तेज बढ़ोतरी देखी गई और यह नए रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया। उन्होंने कहा, भारतीय रुपया अब तक के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गया है। इससे देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) पर 50 प्रतिशत अमेरिकी शुल्क के प्रभाव को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं।

रुपया शुक्रवार को 61 पैसे की भारी गिरावट के साथ पहली बार 88 के स्तर को पार कर 88.19 (अस्थायी) प्रति डॉलर के अपने अबतक के सबसे निचले स्तर पर बंद हुआ।

सप्ताह के दौरान, कीमती धातु की कीमतों में 3,300 रुपये यानी 3.29 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। इस बीच, चांदी की कीमत अपने सर्वकालिक उच्च स्तर से 1,000 रुपये टूटकर 1,19,000 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी करों सहित) पर आ गई। बृहस्पतिवार को चांदी की कीमत 1,20,000 रुपये प्रति किलोग्राम रही थी।

ब्रोकरेज कंपनी ट्रेडजिनी के मुख्य परिचालन अधिकारी त्रिवेश डी ने कहा, चांदी की औद्योगिक मांग इसे और भी बेहतर बनाती है, लेकिन अनिश्चितता के खिलाफ सोना अभी भी एक अच्छा बचाव है। पिछले पांच वर्षों में, दोनों धातुओं ने हर साल नए रिकॉर्ड बनाए हैं, जो अस्थिर बाजारों में उनकी भूमिका को रेखांकित करता है। विदेशी बाजारों में, न्यूयॉर्क में हाजिर सोना 3,407.39 डॉलर प्रति औंस पर स्थिर रहा। हाजिर चांदी 0.52 प्रतिशत की गिरावट के साथ 38.84 डॉलर प्रति औंस पर रही।

'रिलायंस इंटेलिजेंस' सबको, हर जगह एआई सुविधा देने का काम करेगी: मुकेश अंबानी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी ने कृत्रिम मेधा (एआई) के लिए एक नई अनुषंगी 'रिलायंस इंटेलिजेंस' के गठन की शुक्रवार को घोषणा की। यह देश में बड़े पैमाने पर एआई बुनियादी ढांचे का निर्माण करेगी ताकि हर जगह, हर किसी को एआई क्षमता मुहैया कराई जा सके।

अंबानी ने कंपनी की वार्षिक आम बैठक में कहा कि रिलायंस इंटेलिजेंस अनुषंगी गीगावाट-स्तर के एआई-सक्षम डेटा केंद्र बनाएगी, जो स्वच्छ ऊर्जा से संचालित होंगे और राष्ट्रीय स्तर पर प्रशिक्षण एवं अनुमान के लिए डिजाइन किए गए होंगे। अंबानी ने कहा, एक दशक पहले डिजिटल सेवाएं रिलायंस के लिए एक नया वृद्धि इंजन बन गईं। अब, एआई के साथ हमारे सामने उतने ही बड़े अवसर उपलब्ध हैं। जियो ने हर जगह और हर भारतीय के लिए डिजिटल सुविधा का वादा किया और उसे पूरा किया। इसी तरह, रिलायंस इंटेलिजेंस हर भारतीय के लिए हर जगह एआई प्रदान करने का वादा करती है। उन्होंने कहा कि रिलायंस इंटेलिजेंस की परिकल्पना चार स्पष्ट मिशनों के साथ की गई है। इनमें भारत की अगली पीढ़ी के एआई बुनियादी ढांचे की स्थापना, वैश्विक साझेदारियों को बढ़ावा देना, भारत के लिए एआई सेवाओं का निर्माण और एआई प्रतिभा को बढ़ावा देना शामिल हैं।

दक्षिण भारत में भी जल्द बुलेट ट्रेन दौड़ेगी : चंद्रबाबू नायडू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

विशाखापत्तनम/भाषा। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने शुक्रवार को कहा कि दक्षिण भारत में भी जल्द बुलेट ट्रेन दौड़ेगी और यह हैदराबाद, अमरावती, चेन्नई और बेंगलूरु की जरूरतों को पूरा करेगी। 'भारत खाद्य विनिर्माण शिखर सम्मेलन' को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि बुलेट ट्रेन सेवा उपरोक्त हैदराबाद, अमरावती, चेन्नई और बेंगलूरु शहरों की पांच करोड़ से अधिक आबादी को सेवा प्रदान करेगी। नायडू ने कहा, बहुत जल्द बुलेट ट्रेन दक्षिण भारत में आने वाली है। यह होने जा रहा है। सर्वेक्षण के आदेश दे दिए गए हैं। यह योजना हैदराबाद, चेन्नई, अमरावती और बेंगलूरुइन सभी चार शहरों से जुड़ी है। इन शहरों की कुल आबादी पांच करोड़ से ज्यादा है और यह दुनिया के सबसे बड़े बाजारों में से एक है। मुख्यमंत्री ने कहा कि बुलेट ट्रेन के अलावा, दक्षिणी राज्य अपनी सड़क व्यवस्था को भी बड़े स्तर पर विकसित करने जा रहा है, जिसमें दूर-दराज की सड़कों का भी अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार उत्कृष्ट रखरखाव शामिल होगा।

भारत का विकास अभूतपूर्व, कम कार्बन उत्सर्जन के साथ हो रही है वृद्धि: नीति सीईओ

नई दिल्ली/भाषा। नीति आयोग के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) बी वी आर सुब्रह्मण्यम ने शुक्रवार को कहा कि भारत की विकास यात्रा अभूतपूर्व है, क्योंकि देश की अर्थव्यवस्था कम कार्बन उत्सर्जन और पर्यावरण अनुकूल रास्ते पर चलते हुए वृद्धि कर रही है। उन्होंने यहां एक उच्च-स्तरीय कार्यशाला को संबोधित करते हुए कहा कि यह परिवर्तन ऊर्जा-प्रधान होगा, इसके बावजूद भारत एनडीसी (राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित योगदान) के अनुसार लगातार प्रगति कर रहा है और 'मिशन लाइफ' जैसी नीतियों को बढ़ावा दे रहा है।

रिलायंस रिटेल को अगले तीन वर्षों में 20 प्रतिशत वार्षिक वृद्धि का भरोसा: ईशा अंबानी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। देश की अग्रणी खुदरा कंपनी रिलायंस रिटेल को अगले तीन वर्षों में 20 प्रतिशत की सालाना संचयी वृद्धि दर हासिल करने का भरोसा है।

कंपनी की निदेशक ईशा अंबानी ने शुक्रवार को रिलायंस इंडस्ट्रीज की वार्षिक आम बैठक (एजीएम) में कहा कि विभिन्न कारोबार क्षेत्रों में मजबूत मांग और संरचनात्मक वृद्धि के सहारे यह लक्ष्य हासिल कर लिया जाएगा।

ईशा अंबानी ने बताया कि वित्त वर्ष 2024-25 में रिलायंस रिटेल का कारोबार 3.3 लाख करोड़ रुपये (38.7 अरब डॉलर) तक पहुंच गया। कंपनी की सबसे प्रमुख श्रेणियों- किराना, फैशन एवं जीवनशैली और उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स में मजबूत वृद्धि की संभावना बनी हुई है। उन्होंने कहा, ये सिर्फ वित्तीय उपलब्धियां नहीं हैं, बल्कि इस बात का प्रमाण हैं कि महत्वाकांक्षा, अनुशासन, नवाचार और निष्पादन मिलकर दीर्घकालिक मूल्य का सृजन कर सकते हैं। ईशा ने कहा कि कंपनी का ऑनलाइन और क्विक कॉमर्स कारोबार तेजी से बढ़ रहा है और अगले तीन वर्षों में खुदरा राजस्व का 20 प्रतिशत से अधिक हिस्सा इन्हीं बिक्री माध्यमों से आएगा। वर्तमान में यह हिस्सा एकल अंक में है। उन्होंने बताया कि रिलायंस रिटेल ने पिछले वित्त वर्ष में 2,659 नए स्टोर के साथ ही कुल स्टोर की संख्या 19,340 हो गई। वर्तमान में खुदरा स्टोर से ही करीब 70 प्रतिशत राजस्व आता है। आगे भी सालाना 2,000‒3,000 नए स्टोर खोले जाएंगे। ईशा ने बताया कि जियोमार्ट स्थानीय स्तर पर त्वरित आपूर्ति में अग्रणी बन चुका है और विशाल स्टोर नेटवर्क एवं उपभोक्ता डेटा के आधार पर सबसे तेज एवं भरोसेमंद सेवाएं दे रहा है। उन्होंने कहा कि कंपनी का लक्ष्य तेजी से बढ़ते एफएमसीजी (दैनिक उपयोग का सामान) कारोबार को अगले पांच वर्षों में एक लाख करोड़ रुपये के राजस्व तक ले जाना और इसे वैश्विक स्तर तक विस्तार देना है।

स्वागत

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह दो दिवसीय महाराष्ट्र प्रवास के लिए शुक्रवार को मुंबई पहुंचे। शनिवार को गृह मंत्री मुंबई में लाल बाग के राजा एवं अन्य गणेशोत्सव कार्यक्रमों में भाग लेंगे।

कटरा में भारी वर्षा के चलते वैष्णो देवी यात्रा चौथे दिन भी रहीं निलंबित

जम्मू/भाषा। जम्मू कश्मीर के कटरा क्षेत्र में शुक्रवार को भारी बारिश होने के चलते वैष्णो देवी मंदिर की यात्रा लगातार चौथे दिन स्थगित रही। हाल में भूस्खलन के बाद यह यात्रा अस्थायी तौर पर रोक दी गई थी। भूस्खलन की इस घटना में 34 लोगों की मौत हो गई तथा 20 अन्य घायल हो गए। यात्रा का प्रबंधन करने वाले श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड (एसएमवीडीएसबी) ने मंगलवार को अगले आदेश तक तीर्थयात्रा स्थगित कर दी थी। एक अधिकारी ने कहा, मौसम अब भी खराब है, इसलिए तीर्थयात्रियों की सुरक्षा के मद्देनजर यात्रा को स्थगित रखने का निर्णय लिया गया है।

भारतीय महिलाओं पर 'तीन बच्चों' का बोझ न डालें

ओवैसी ने आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत से कहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत पर तीखा हमला बोलते हुए एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने शुक्रवार को कहा कि उन्हें भारतीय महिलाओं पर अपना ''एक परिवार में तीन बच्चों'' का सिद्धांत नहीं थोपना चाहिए।

ओवैसी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की भी आलोचना की और आरोप लगाया कि उनके कार्यकाल के दौरान मुसलमानों के खिलाफ दुश्मनी को ''संस्थागत'' बना दिया गया है। पीटीआई की वीडियो सेवा को दिए एक विशेष साक्षात्कार में ओवैसी ने आरोप लगाया कि आरएसएस और उसके द्वारा प्रायोजित या समर्थित संगठन ''मुस्लिम विरोधी नफरत फैलाने'' के लिए जिम्मेदार हैं। उन्होंने यह भी दावा किया कि 2011 की जनगणना के अनुसार, मुस्लिम जनसंख्या वृद्धि दर घट रही है और यह 14.23 प्रतिशत है, जबकि हिंदुओं की जनसंख्या लगभग 80 प्रतिशत है। ओवैसी ने कहा, और अब आप कह रहे हैं कि

ठीक है, तीन बच्चे पैदा करो। आप कौन होते हैं लोगों के पारिवारिक जीवन में दखल देने वाले? आप भारतीय महिलाओं पर बोझ क्यों डालना चाहते हैं, जिनकी अपनी अलग प्राथमिकताएं हो सकती हैं? इस तरह, यह आरएसएस का दोहरा चरित्र है। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने कहा था कि जनसंख्या को पर्याप्त और नियंत्रण में रखने के लिए प्रत्येक भारतीय परिवार में तीन बच्चे होने चाहिए। भागवत ने यह भी कहा कि आरएसएस किसी पर भी हमला करने में विश्वास नहीं रखता, चाहे वह धार्मिक आधार पर ही क्यों न हो। इस पर, हैदराबाद से लोकसभा सदस्य ने कहा कि ऐसे कई उदाहरण हैं जिनमें भागवत ने मुसलमानों को ''चोरी का सामान और मुगल बादशाह की औलाद'' कहा था। उन्होंने पूछा, कौन सभी धर्म संसदों का आयोजन कर रहा है और मुसलमानों के खुलेआम नरसंहार तथा महिलाओं के खुलेआम बलात्कार का आह्वान कर रहा है?'' ओवैसी ने आरोप लगाया, तो, ये आरएसएस द्वारा प्रायोजित और आरएसएस द्वारा समर्थित संगठन ही हैं जो मुसलमानों के खिलाफ नफरत फैलाने की बात करते हैं और उसे बढ़ावा देते हैं।

सिद्दरामय्या ने राष्ट्रीय खेल प्रतियोगिता के पदक विजेताओं के लिए पुरस्कार राशि बढ़ाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने राष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताओं के पदक विजेताओं के लिए नकद पुरस्कारों में वृद्धि की घोषणा करते हुए कहा कि सरकार खिलाड़ियों को समर्थन देने और उन्हें अधिक ऊंचाइयां हासिल करने में मदद करने के लिए प्रतिबद्ध है। सिद्दरामय्या ने बृहस्पतिवार को उत्तराखंड में आयोजित 38वीं राष्ट्रीय खेल प्रतियोगिता में राज्य का नाम रोशन करने वाले खिलाड़ियों को नकद पुरस्कार प्रदान करते हुए कहा, ''हमने स्वर्ण पदक विजेताओं को सात लाख रुपये, रजत पदक विजेताओं को पांच लाख रुपये और कांस्य पदक विजेताओं को तीन लाख रुपये देने का फैसला किया है।'' इस प्रतियोगिता में 34 स्वर्ण, 18 रजत और 28 कांस्य पदकों के साथ कर्नाटक को पदक तालिका में पांचवा स्थान दिलाने पर खिलाड़ियों को बधाई देते हुए उन्होंने कहा, यह हम सभी के लिए गर्व की बात है। मुझे उम्मीद है कि कर्नाटक अगली खेल प्रतिस्पर्धाओं में पहला स्थान हासिल करेगा। मुख्यमंत्री ने याद दिलाया कि 2015 में उनके पिछले कार्यकाल के दौरान स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक विजेताओं के लिए क्रमशः पांच लाख रुपये, तीन लाख रुपये एवं दो लाख रुपये के नकद पुरस्कारों की घोषणा की गई थी।

उन्होंने कहा, ''कर्नाटक ओलंपिक संघ ने पुरस्कार राशि बढ़ाने का आग्रह किया था। हमने उनके अनुरोध को स्वीकार कर लिया है और राशि में संशोधन किया है।'' सिद्दरामय्या ने यह भी कहा कि खिलाड़ियों को पदक जीतने में मदद करने वाले प्रबंधक और कोच को भी पुरस्कृत किया जाएगा। उन्होंने कहा, ''सरकार राज्य में खेलों को हर संभव सहयोग देगी। मैं शुरू से ही खिलाड़ियों की मांगें पूरा करता रहा हूं।'' मुख्यमंत्री ने दोहराया कि पदक विजेताओं को सरकारी नौकरियों में आरक्षण दिया जाएगा।

खेल कोटे के तहत पुलिस आबकारी विभाग में 'डिप्टी एसपी' नियुक्त किए गए सुनील भाटी का उदाहरण देते हुए सिद्दरामय्या ने कहा, ''उच्च पदों पर पदोन्नति के अवसर भी उपलब्ध होंगे।'' अंतरराष्ट्रीय खेल मंचों के बारे में उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ओलंपिक, एशियाई खेलों और राष्ट्रमंडल खेलों के स्वर्ण पदक विजेताओं को पांच करोड़ रुपये, रजत पदक विजेताओं को तीन करोड़ रुपये और कांस्य पदक विजेताओं को दो करोड़ रुपये का पुरस्कार देगी। उन्होंने कहा कि यह लालच नहीं बल्कि प्रोत्साहन है।

आवासीय विद्यालय में एक किशोरी ने दिया बच्चे को जन्म, मामला दर्ज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

यादगिर। कर्नाटक के यादगिर जिले में एक सरकारी आवासीय विद्यालय में नौवीं कक्षा की 17 वर्षीय एक छात्रा ने शौचालय में एक बच्चे को जन्म दिया। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। उसने बताया कि 27 अगस्त को जिले में शाहपुर तालुक के एक विद्यालय में अपराह्न करीब दो बजे यह घटना घटी। पुलिस ने बताया कि जब इस छात्रा को उसकी सहपाठियों ने प्रसवपीड़ा से कराहते देखा, तब उन्होंने विद्यालय प्रशासन को इसकी सूचना दी।

प्राथमिकी के अनुसार, 17 साल और सात महीने की हो चुकी यह किशोरी पूर्ण गर्भावस्था में थी और लगभग नौ महीने पहले किसी अज्ञात व्यक्ति ने उसका ''यौन उत्पीड़न'' किया था। प्रारंभ में किशोरी ''बेहद तनाव'' में बताई जा रही थी तथा उसने घटना या इसमें शामिल व्यक्ति के बारे में कुछ भी बताने से इनकार कर दिया। उसने अधिकारियों को केवल इतना बताया कि शौचालय में उसे पेट में दर्द हुआ और उसने वहीं बच्चे को जन्म दिया। लड़की और बच्चे दोनों को अस्पताल ले जाया गया तथा उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है।

जांच के दौरान, पुलिस ने आरोपी का 28 वर्षीय एक व्यक्ति के रूप में पता लगाया। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि लड़की के ठीक होने और चिकित्सकों द्वारा उसे फिट घोषित किये जाने के बाद उसे परामर्श दिया जाएगा, ताकि पता लगाया जा सके कि क्या हुआ था और क्या वह आरोपी को जानती थी। पुलिस ने यह भी बताया कि इस घटना की सूचना उसे स्कूल प्रशासन या यहां तक ङ्क्षक पीड़िता के भाई द्वारा भी तुरंत नहीं दी गई, जिसे प्रसव के तत्काल बाद सूचित किया गया था।

जिला बाल संरक्षण अधिकारी की शिकायत के आधार पर, आरोपी के खिलाफ बाल यौन अपराध संरक्षण (पोक्सो) अधिनियम और भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया। पुलिस का कहना है कि छात्रावास वार्डन, विद्यालय के प्राचार्य, स्टाफ नर्स और पीड़िता के भाई के खिलाफ भी लड़की की गर्भावस्था के बारे में अधिकारियों को सूचित न करने के आरोप में मामला दर्ज किया गया।

पुलिस ने बताया कि लड़की शैक्षणिक वर्ष के प्रारंभ से ही स्कूल में नियमित रूप से उपस्थित नहीं हो रही थी। इस बीच, कर्नाटक आवासीय शैक्षणिक संस्थान सोसाइटी (केआरईआईएस) ने विद्यार्थियों की शैक्षिक और स्वास्थ्य स्थितियों की निगरानी में कथित लापरवाही और कर्तव्यहीनता को लेकर प्रधानाचार्य और छात्रावास वार्डन समेत स्कूल के चार कर्मचारियों को निलंबित कर दिया।

डिजिटल रूप में भी पढ़ें
दक्षिण भारत हिन्दी दैनिक
www.dakshinbharat.com

दक्षिण पश्चिम रेलवे
ई-निविदा सूचना सं: Auto_Sig_CSDR-PKD के लिए शुद्धिपत्र 1 व 2, दिनांक: 11.08.2025
भारत के राष्ट्रपति की ओर से अधोहस्ताक्षरी निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं:

कार्य का नाम	अनुमानित लागत
बेंगलूरु विभाग के चेन्नसंद्रा - पेनुकोंडा (सीएसडीआर-पीकेडी) विभागों के बीच स्वचालित सिग्नलिंग के प्रावधान के तहत शुद्धिपत्र-1, शेड्यूल - डी1, आईटम - 8, विवरण पर संशोधित और दस्तावेजों को जोड़े गए है, शुद्धिपत्र-2, दस्तावेजो जोड़े गए है। (विवरण वेबसाइट पर पहले ही अपलोड कर दिया गया है)	रु. 139,40,69,610.88

निविदाओं जमा करने की अंतिम तिथि: 15.09.2025, 15:00 बजे तक
विवरण के लिए लॉग ऑन करें www.ireps.gov.in में
उप मुख्य सिग्नल व दूरसंचार इंजीनियर/निर्माण/ बेंगलूरु छावनी
PUB/415/AAMO/PRB/SWR/2025-26
अनारक्षित टिकटों की बुकिंग में आसानी के लिए गूगल प्ले स्टोर से यूटीएस मोबाइल ऐप डाउनलोड करें
South Western Railway - SWR | SWRRLY | SWRAILWAYHQ | sw_railways

दक्षिण पश्चिम रेलवे
ई-निविदा सूचना सं: Auto_Sig_YPR-ASK के लिए शुद्धिपत्र 1 व 2, दिनांक: 08.08.2025
भारत के राष्ट्रपति की ओर से अधोहस्ताक्षरी निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं:

कार्य का नाम	अनुमानित लागत
बेंगलूरु और मैसूरु के यशवंतपुर - अरसीकेरे (वायपीआर-एएसके) विभाग के बीच स्वचालित सिग्नलिंग के प्रावधान के तहत शुद्धिपत्र-1, शेड्यूल - डी1, आईटम - 8, विवरण पर संशोधित और दस्तावेजों को जोड़े गए है, शुद्धिपत्र-2, दस्तावेजो जोड़े गए है और शुद्धिपत्र-3, शेड्यूल - ई आईटम - 3, मात्रा को 12 से 13 हुआ है, शेड्यूल बी1, आईटम 25, यूनिट मीटर है और दस्तावेजों को जोड़े गए है। (विवरण वेबसाइट पर पहले ही अपलोड कर दिया गया है)	रु. 160,95,45,891.77

निविदाओं जमा करने की अंतिम तिथि: 15.09.2025, 15:00 बजे तक
विवरण के लिए लॉग ऑन करें www.ireps.gov.in में
उप मुख्य सिग्नल व दूरसंचार इंजीनियर/निर्माण/ बेंगलूरु छावनी
PUB/414/AAMO/PRB/SWR/2025-26
अनारक्षित टिकटों की बुकिंग में आसानी के लिए गूगल प्ले स्टोर से यूटीएस मोबाइल ऐप डाउनलोड करें
South Western Railway - SWR | SWRRLY | SWRAILWAYHQ | sw_railways

सिद्दरामय्या 'वोटर अधिकार' रैली में भाग लिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या रायबरेली से सांसद राहुल गांधी के नेतृत्व में आयोजित वोटर अधिकार रैली' में शामिल होने के लिए शुक्रवार को बिहार पहुंचे। उनके कार्यालय ने एक विज्ञप्ति में यह जानकारी दी। मुख्यमंत्री सुबह उत्तर प्रदेश के गोरखपुर हवाई अड्डे पर उतरे और सड़क मार्ग से बिहार के गोपालगंज पहुंचे। मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) की ओर से जारी बयान के मुताबिक, उत्तर प्रदेश में कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने हवाई अड्डे पर मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या का स्वागत किया।

कनार्टक से बिहार की रैली में शामिल होने के लिए सिद्दरामय्या के साथ करीब 20 नेता गए हैं, जिनमें मंत्री के जे जॉर्ज, जी परमेश्वर, बी जेड जमीर अहमद खान, सतीश जारकीहोली, के सुधाकर, राजनीतिक सचिव नसीर अहमद, कानूनी सलाहकार पोन्नन्ना, विधान परिषद के मुख्य सचेतक सलीम अहमद, विधान पार्षद बी के हरिप्रसाद और मुख्यमंत्री के बेटे यतींद्र सिद्दरामय्या शामिल हैं। सीएमओ ने कहा कि कर्नाटक से गए सभी नेता बिहार में चल रही 'वोटर अधिकार रैली' में हिस्सा लिया।

दिल्ली विश्वविद्यालय
UNIVERSITY OF DELHI
विभिन्न गैर-शिक्षण पदों पर नियुक्ति हेतु पात्र उम्मीदवारों से निर्धारित आवेदन पत्र में ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं। आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि 04.09.2025 या रोजगार समाचार में विज्ञापन प्रकाशन की तिथि से दो सप्ताह, जो भी बाद में हो, है। विवरण के लिए, कृपया विश्वविद्यालय की वेबसाइट www.du.ac.in पर जाएँ और 'Advertisement-Department' शीर्षक के अंतर्गत 'Work with DU' पर क्लिक करें।
कोई भी परिशिष्ट/शुद्धिपत्र केवल वेबसाइट पर ही पोस्ट किया जाएगा।
CBC 21231/12/0001/2526
रजिस्ट्रार

बैठक

बेंगलूरु और उसके आसपास के क्षेत्रों में सड़क ऊपरी पुलों (आरओबी) और सड़क निचले पुलों (आरयूबी) के निर्माण पर शुक्रवार को बेंगलूरु के कुमार कृपा गेस्ट हाउस में एक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता केंद्रीय रेल और जल शक्ति राज्य मंत्री श्री वी. सोमन्ना ने की। बैठक में बेंगलूरु सेन्ट्रलके सांसद पी.सी. मोहन, बेंगलूरु ग्रामीण के सांसद डॉ. सी.एन. मंजूनाथ, कोलार के सांसद मल्लेश बाबू के साथ-साथ रेलवे अधिकारी, बेंगलूरु शहरी विकास विभाग के अतिरिक्त सचिव तुषार गिरिनाथ, दक्षिण पश्चिम रेलवे के मुख्य प्रशासनिक अधिकारी (निर्माण) अजय शर्मा, बेंगलूरु मंडल रेलप्रबंधक आशुतोष कुमार सिंह, बीडीए के आयुक्त मणिवन्नन, संयुक्त पुलिस आयुक्त यातायात कार्तिक रेड्डी और अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

हताश कांग्रेस और राजद ने साबित कर दिया है कि वे पूरी तरह से असभ्य हैं : रवि कुमार

बेंगलूरु। विधान परिषद में विपक्ष के मुख्य सचेतक एन. रवि कुमार ने शुक्रवार को बिहार के दरभंगा में एक रैली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दिवंगत मां के खिलाफ अभद्र भाषा का इस्तेमाल करने के लिए कांग्रेस और राजद को असभ्य और अभद्र बताया है। रवि कुमार ने यहां जारी एक बयान में कहा, प्रधानमंत्री की दिवंगत मां के खिलाफ कांग्रेस और राजद द्वारा अभद्र भाषा का इस्तेमाल निस्संदेह साबित करता है कि ये दोनों पार्टियां आगामी बिहार चुनावों में होने वाली संभावित हार से पूरी तरह हताश हैं। कांग्रेस और राजद दोनों पर सीधा हमला बोलते हुए रवि कुमार ने कहा कि दोनों पार्टियां वंशवादी और सामंतवादी हैं, जहां महिलाओं को तिरस्कार की नजर से देखा जाता है। उन्होंने कहा, इसी वंशवादी और सामंतवादी मानसिकता ने कांग्रेस और राजद को प्रधानमंत्री की दिवंगत माँ के खिलाफ बेहद अभद्र भाषा बोलने पर मजबूर किया है। यह बेहद निंदनीय है।

सच तो यह है कि कांग्रेस और खासकर राहुल गांधी एक गरीब माँ के बेटे को प्रधानमंत्री पद पर बैठे और पिछले 11 सालों से देश को आगे बढ़ाते हुए बर्दाश्त नहीं कर सकते। दोनों ही पार्टियाँ लाचार हैं क्योंकि वे मोदी के बढ़ते कदमों को रोक नहीं पा रहे हैं। उनकी हताशा इस तरह की अपमानजनक और अभद्र भाषा के रूप में सामने आई है। रवि कुमार ने प्रधानमंत्री की माँ के खिलाफ निंदनीय टिप्पणी करने के लिए राहुल गांधी और लालू प्रसाद से बिना शर्त माफ़ी माँगने की माँग की।

दक्षिण पश्चिम रेलवे
प्रपत्र 10-01
भारतीय रेलवे
सार्वजनिक अधिसूचना
यह सूचित किया जाता है कि दक्षिण पश्चिम रेलवे के अधीन नीचे वर्णित क्षेत्र में स्थित रेलवे लाइनों और परिसरों के सभी उपयोग कर्ताओं को ज्ञान हो कि 25,000 वोल्ट, 50 हर्ट्ज एसी सिंगल फे ज ओवरहेड ट्रैक्शन तार निर्दिष्ट तिथि या उसके बाद विद्युतीकृत किए जाएंगे। उक्त तिथि से ओवरहेड ट्रैक्शन लाइन को हमेशा जीवित (लाइव) माना जाएगा, और कोई भी अनधिकृत व्यक्ति उक्त ओवरहेड लाइन के निकट न जाए तथा उसके आसपास कोई कार्य न करे।

खंड	संभवित विद्युतीकरण तिथि
बेंगलूरु कैंटोनमेंट - व्हाइटपील्ड चौगुनीकरण परियोजना के अंतर्गत बेंगलूरु डिवीजन के गती शक्ति इकाई द्वारा व्हाइटफील्ड (डब्ल्यूएफडी) में प्रस्तावित यार्ड व्यवस्थाओं के लिए 25 केवी, 50 हक्ट्ज, एसी, सिंगल फेज ओवरहेट उपकरण का विद्युतीकरण	04.09.2025

स्थान: बेंगलूरु
उप मुख्य इलेक्ट्रिक इंजीनियर
गति शक्ति यूनिट, बेंगलूरु
दक्षिण पश्चिम रेलवे
PUB/418/AAMO/PRB/SWR/2025-26
अनारक्षित टिकटों की बुकिंग में आसानी के लिए गूगल प्ले स्टोर से यूटीएस मोबाइल ऐप डाउनलोड करें
South Western Railway - SWR | SWRRLY | SWRAILWAYHQ | sw_railways

कर्नाटक के कई हिस्सों में बारिश, मौसम विभाग ने ऑरेंज अलर्ट जारी किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। तटीय जिलों सहित कर्नाटक के कई हिस्सों में शुक्रवार को सुबह भारी बारिश हुई जिससे घरों में पानी घुस गया और सामान्य जनजीवन प्रभावित हुआ। कलबुर्गी जिले में रात भर हुई भारी बारिश के कारण बड़ी मात्रा में तिलहन की फसल नष्ट हो गई, जिससे किसानों को काफी नुकसान हुआ। ज़िले के चित्तपुर तालुका के हलकट्टा गांव में बारिश का पानी घुसने से 100 क्विंटल से ज़्यादा फसल बर्बाद हो गई। अधिकारियों ने बताया कि सुबह तक गांव के बाहरी इलाके में रखी फसल बह गई, जिससे किसान मुश्किल में पड़ गए। दक्षिण कन्नड़, उडुपी, उत्तर कन्नड़ और चिक्कमंगलूरु जिलों सहित राज्य के कई हिस्सों में भी आज सुबह भारी बारिश हुई। कोडागु जिले में आज सुबह बारिश फिर से शुरू हो गई, जिसके कारण मौसम विभाग ने ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। जिला प्रशासन ने एहतियाती कदम उठाते हुए स्कूलों, कॉलेजों और आंगनवाड़ी केंद्रों में छुट्टियां घोषित कर दी हैं। ऑरेंज अलर्ट 11 से 20 सेंटीमीटर की बहुत भारी बारिश को दर्शाता है।

रायचूर जिले में पिछले दो दिनों से लगातार हो रही बारिश ने सामान्य जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया है। लिंगसुगुर तालुका के भूपुर गांव में नाले का पानी कई घरों में घुस गया, जिससे निवासियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। घरों के अंदर घुटनों तक पानी भर गया, जिससे अनाज, खाने-पीने की चीज़ें, बर्तन, कपड़े और अन्य घरेलू सामान बर्बाद हो गए। ग्रामीणों ने नाले के रखरखाव में लापरवाही का आरोप लगाते हुए पंचायत विकास अधिकारी (पीडीओ) के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। तुंगभद्रा बांध के निचले इलाकों में रहने वाले निवासियों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है। अधिकारियों ने बताया कि तुंगभद्रा जलाशय में वर्तमान जल प्रवाह लगभग 36,000 क्यूसेक (घन फुट प्रति सेकंड) है और तुंगा जलाशय (32,000 क्यूसेक छोड़ा गया), भद्रा बांध (11,000 क्यूसेक), वरदा नदी (9,700 क्यूसेक) और जलाशय के जलग्रहण क्षेत्र (53,000 क्यूसेक) में बारिश के कारण इसके बढ़ने की संभावना है। आज दोपहर से नदी में पानी छोड़ा जाएगा और जल प्रवाह के आधार पर 40,000 से 70,000 क्यूसेक के बीच पानी छोड़े जाने की उम्मीद है।

भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने शुक्रवार को कर्नाटक के तटीय और मलनाड जिलों तथा उत्तरी आंतरिक जिलों में हल्की से मध्यम बारिश और कुछ स्थानों पर भारी वर्षा होने का अनुमान लगाया है। दक्षिणी आंतरिक जिलों के कुछ हिस्सों में भी मध्यम बारिश की संभावना है।

हुब्बल्ली-रक्सौल और हुब्बल्ली-भगत की कोठी के बीच विशेष ट्रेनों का संचालन

बेंगलूरु। दक्षिण पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी डॉ. मंजुनाथ कनमडी ने एक विज्ञप्ति में बताया कि दक्षिण पश्चिम रेलवे, दीपावली और छठ पर्व के दौरान यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को कम करने के लिए, हुब्बल्ली-रक्सौल (बिहार) और हुब्बल्ली-भगत की कोठी (राजस्थान) के बीच विशेष ट्रेनें चलाएगा। ट्रेन संख्या 07357/07358 हुब्बल्ली-रक्सौल- हुब्बल्ली एक्सप्रेस स्पेशल (17 फेरे) : ट्रेन संख्या 07357, हुब्बल्ली से 6 सितम्बर से 27 दिसम्बर तक प्रत्येक शनिवार सुबह 09:00 बजे प्रस्थान करेगी और सोमवार को रात 11:05 बजे रक्सौल पहुँचेगी। वापसी दिशा में, ट्रेन नंबर 07358 9 सितम्बर से 30 दिसम्बर तक प्रत्येक मंगलवार को 16:55 बजे रक्सौल से प्रस्थान करेगी,

शुक्रवार को 05:25 बजे एसएसएस हुब्बल्ली पहुंचेगी। रास्ते में यह विशेष ट्रेन ठहराव एसएमएम हावेरी, दावणगेरे, बिरूर, अरसीकेरे, तुमकुरु, येलहंका, धर्मावरम, गुंतकल, कृष्णा, सिकंदराबाद, काजीपेट, बल्हारशाह, चंद्रपुर, नागपुर, आमला, बैतूल, इटारसी, पिपरिया, नरसिंहपुर, मदन महल, कटनी, सतना, मानिकपुर, प्रयागराज छिवकी, मिर्जापुर, पं. दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन, बक्सर, आरा, दानापुर, पाटलिपुत्र, सोनपुर, हाजीपुर, मुजफ्फरपुर, सीतामढी और बैरगनिया स्टेशनों पर रहेगा। इस ट्रेन में 23 कोच होंगे जिनमें 2 एसी 2-टियर, 5 एसी 3-टियर, 10 स्लीपर क्लास, 4 सामान्य द्वितीय श्रेणी और 2 एसएलआर/डी कोच होंगे। ट्रेन संख्या 07359/07360 एसएसएस हुब्बल्ली - भगत की कोठी - एसएसएस हुब्बल्ली एक्सप्रेस स्पेशल (5 फेरे) : ट्रेन संख्या 07359 28 सितम्बर से 26 अक्टूबर तक प्रत्येक रविवार को एसएसएस हुब्बल्ली से 19:30 बजे प्रस्थान करेगी और मंगलवार को 05:30 बजे भगत की कोठी पहुँचेगी। वापसी में, ट्रेन संख्या 07360, दिनांक 30 सितम्बर से 28 अक्टूबर तक प्रत्येक मंगलवार को सुबह 07:50 बजे भगत-की-कोठी से प्रस्थान करेगी और बुधवार को दोपहर 15:15 बजे हुब्बल्ली पहुँचेगी। रास्ते में, यह ट्रेन धारवाड़, बेलगावी, घाटप्रभा, मिरज, सांगली, कराड, सतारा, पुणे, कल्याण, वसई रोड, वापी, सूरत, वडोदरा, महेसाणा, पालनपुर, आबू रोड, पिंडवाड़ा, फालना, मारवाड़, पाली मारवाड़ और लूनी स्टेशनों पर दोनों दिशाओं में रुकेगी। इस ट्रेन में 20 डिब्बे होंगे जिनमें 2 एसी-2 टियर, 16 एसी-3 टियर और जनरेटर कारों सहित 2 लगेज-कम-ब्रेक वैन होंगे।

उद्घाटन

भारत-वैश्विक स्तर खुदरा कपड़े व्यापार संगठन यूनिक्लो ने शुक्रवार को बेंगलूरु ओरियन मॉल में अपना पहला स्टोर खोला है। इसका उद्घाटन प्रसिद्ध क्रिकेटर राहुल द्रविड़ और यूनिक्लो के भारत प्रतिनिधियों के साथ रिबन काट कर किया गया। ओरियल मॉल में लगभग 9 हजार वर्ग फीट क्षेत्र में फैले इस शो रूम में ब्रांड कपड़े अच्छी गुणवत्ता के साथ उपलब्ध हैं।

इसरो ISRO
भारत सरकार, अंतरिक्ष विभाग
भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन
(निर्माण एवं अनुरक्षण प्रभाग)
इसरो टेलिमेट्रि ट्रैकिंग एवं कमांड नेटवर्क (इस्ट्रैक)
प्लांट नं. 12 एवं 13, तीसरा मेन, द्वितीय फेज,
पीण्या औद्योगिक क्षेत्र, बेंगलूरु-560058
फोन : 080-28094182/4541 फैक्स : 080-28094180
संशोधन - I दिनांक 28.08.2025
भारत के राष्ट्रपति की ओर से, समुचित वर्ग के ठेकेदारों से एनआईटी में निम्नलिखित कार्यों के लिए नग दर ई-निविदाएं ऑनलाइन आमंत्रित की जाती हैं।

1	ई-निविदा सूचना क्र.	इस्ट्रैक/सीएमजी/ई/एमएआईएनटी/ईटीएन-52 /2025-2026 दिनांक 08.08.2025	इस्ट्रैक/सीएमजी/ई/एमएआईएनटी/ईटीएन-53 /2025-2026 दिनांक 08.08.2025
2	कार्य का नाम	आईडीएसएन परिसर, इस्ट्रैक, ब्यालालू, बेंगलूरु में 200केवी ग्राउंड माउंटेड पुराने सौर संयंत्र का नवीनीकरण।	इसरो हाउसिंग कॉलोनी, जालाहल्ली, बेंगलूरु में स्ट्रीट लाइट, कॉमन एरिया लाइटिंग और केबल के लिए लाइट फिटिंग और अर्थिंग का नवीनीकरण
3	निविदा का अनुमानित मूल्य	रु. 23.09 लाख	रु. 23.35 लाख
4	निविदा दस्तावेज विवरण	ई-निविदा	ई-निविदा
5	कार्य समापन अवधि	पांच (05) महीने	तीन (03) महीने
6	निविदा प्रलेख डाउनलोड करने की अवधि	09.08.2025 को 16.00 बजे से 23.08.2025 को 16.00 तक जिसे अब 06.09.2025 को 16.00 बजे तक बढ़ाया गया है।	
7	बोली स्पष्टीकरण	10.08.2025 को 11.00 बजे से 24.08.2025 को 16.00 तक जिसे अब 07.09.2025 को 16.00 बजे तक बढ़ाया गया है।	
8	बोली स्पष्टीकरण के जवाब देने की अंतिम तारीख	25.08.2025 को 16.00 बजे तक जिसे अब 08.09.2025 को 16.00 बजे तक बढ़ाया गया है।	
9	निविदा प्राप्ति की अंतिम तारीख और समय	26.08.2025 को 16.00 बजे तक जिसे अब 09.09.2025 को 16.00 बजे तक बढ़ाया गया है।	
10	निविदा खोलने की नियत तारीख और समय	28.08.2025 को 11.00 बजे से जिसे अब 11.09.2025 को 11.00 बजे से किया गया है	
11	ईएमडी	रु. 46,180/-	रु. 46,700/-

पात्रता मानदंड और अन्य ब्यौरे के लिए इच्छुक निविदाकार विस्तृत सूचना आमंत्रण निविदा (एनआईटी) देंखे जिसे वेबसाइट www.isro.gov.in से डाउनलोड किया जा सकता है। बोली प्रपत्र औप अन्य ब्यौरे वेबसाइट www.tenderwizard.com/ISRO से डाउनलोड किए जा सकते हैं।
ह/- समूह प्रमुख-सीएमजी

बेंगलूरु | शनिवार | 30-08-2025 www.dakshinbharat.com /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY
दक्षिण भारत राष्ट्रमत

एक अक्टूबर से जैसलमेर फिर हवाई सेवा से जुड़ेगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जैसलमेर। राजस्थान में विश्वविख्यात पर्यटन स्थल जैसलमेर एक अक्टूबर से हवाई सेवाओं से पुनः जुड़ने जा रहा है। जैसलमेर में भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) के निदेशक प्रमोद मीणा ने शुक्रवार को बताया कि इस बार जैसलमेर के लिए इंडिगो, स्पाइस जेट एवं एयर इंडिया हवाई सेवायें शुरू करने जा रहा है। पर्यटन सीजन में हवाई सेवा का संचालन शुरू होने से आमजन और पर्यटकों दोनों को ही बड़ा लाभ मिलेगा और पर्यटकों की आवाजाही में उल्लेखनीय बढ़ोत्तरी होगी। उन्होंने बताया कि एक अक्टूबर से इंडिगो एयरलाइंस द्वारा दिल्ली और मुंबई के लिए सीधी उड़ानें एयरबस के रूप में शुरू की जायेंगी। स्पाइसजेट भी इस सीजन में अपना संचालन जारी रखेगी।

दोनों कंपनियों के आने-जाने वाली उड़ानों से दिल्ली और मुंबई से जैसलमेर का जुड़ाव मजबूत रहेगा। पर्यटन के लिहाज से यह सम्बद्धता बेहद अहम मानी जा रही है, क्योंकि दिल्ली और मुंबई दोनों ही विदेशी और घरेलू पर्यटकों के लिये जैसलमेर आकर्षण का केंद्र हैं। मीणा ने बताया कि पहली बार एयर इंडिया जैसलमेर से हवाई सेवायें शुरू करने जा रही है। बीस अक्टूबर से एयर इंडिया दिल्ली-जैसलमेर मार्ग पर प्रतिदिन अपनी दो उड़ानों का संचालन करेगी। एयर इंडिया के इस कदम से यहां की हवाई सेवाओं में और प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी, जिसका सीधा फायदा यात्रियों को मिलेगा। उधर, राजस्थान की राजधानी जयपुर से जैसलमेर की सीधे सम्बद्धता की लंबे समय से मांग की जा रही थी। इस मांग को भी इस सीजन में पूरा किया जा रहा है। छब्बीस अक्टूबर से इंडिगो जयपुर से जैसलमेर के लिए सीधी उड़ानें शुरू हो जायेंगी। इससे पर्यटक आसानी से जैसलमेर पहुंच सकेंगे।

कांग्रेस दफ्तर पर भाजपा कार्यकर्ताओं का हमला कायराना हरकत : गहलोत

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा है कि बिहार में कांग्रेस दफ्तर सदाकत आश्रम पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के एक कैबिनेट मंत्री की मौजूदगी में भाजपा कार्यकर्ताओं का कायराना हमला इनकी बौखलाहट दिखा रहा है। गहलोत ने शुक्रवार को अपने बयान में कहा कि बिहार में कांग्रेस नेता राहुल गांधी की वोटर अधिकार यात्रा को मिले रहे जनसमर्थन और उसकी सफलता तथा वोट चोरी को लेकर किए जा रहे उनके खुलासे से भाजपा बेहद घबराई हुई है और अब इस तरह के कृत्यों को अंजाम दे रही है लेकिन एक बात बेहद स्पष्ट है कि कांग्रेस ऐसी गुंडागर्दी के आगे झुकेगी नहीं और संविधान तथा लोकतंत्र की रक्षा करती रहेगी। उन्होंने कहा क्या बिहार के मुख्यमंत्री नीतिश कुमार इस हमले को अंजाम देने वाले लोगों पर कार्रवाई करने की हिम्मत दिखाएंगे।

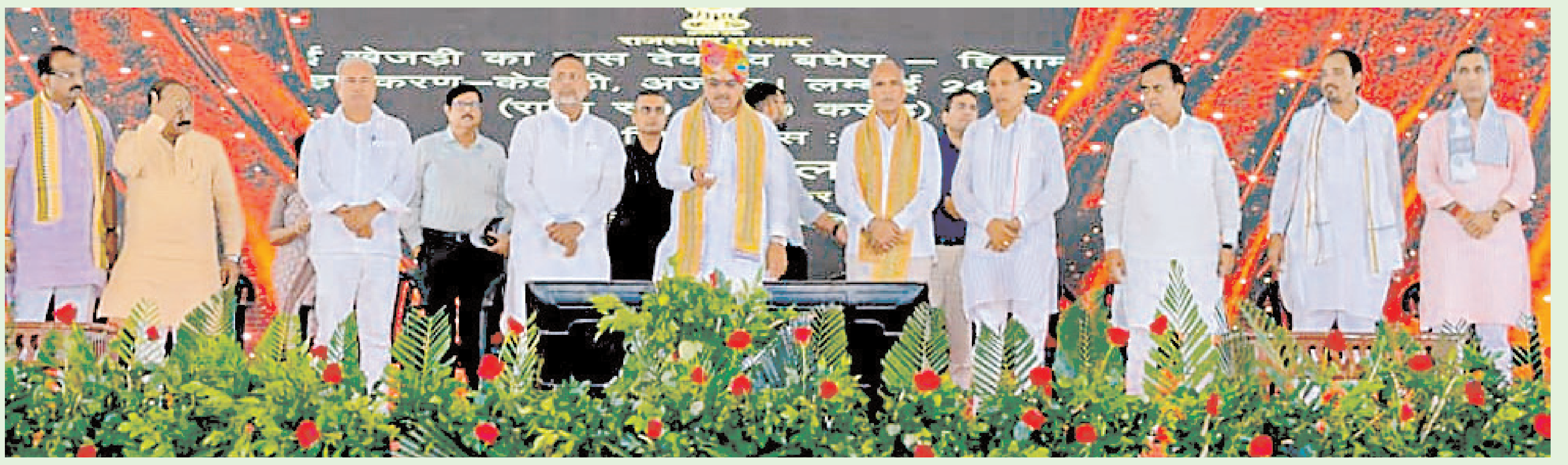

हमनें पेपरलीक पर की कड़ी कार्रवाई, नहीं बख्शेंगे दोषियों को : शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

टोडारायसिंह/जयपुर । मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार ने पिछले साल हरियाली तीज के अवसर पर 'हरियालो राजस्थान' अभियान शुरू किया। जिसके अन्तर्गत हमनें पिछले वर्ष 7 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य रखा और साढ़े 7 करोड़ पौधे लगाकर लक्ष्य को पूरा किया। इस वर्ष हमनें 10 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य रखा और अब तक 11 करोड़ से अधिक पौधे लगाए हैं। इस तरह हम अब तक साढ़े 18 करोड़ पौधे लगा चुके हैं। हमारी सरकार 5 वर्ष में 50 करोड़ पेड़ लगाएगी और प्रदेश को हरा भरा बनाएगी। मुख्यमंत्री शर्मा शुक्रवार को टोंक के टोडारायसिंह में 'एक पेड़ मां के नाम' एवं 'हरियालो राजस्थान' के तहत आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हमारी संस्कृति में प्रकृति का विशेष स्थान है। हमारी परंपरा में पेड़, पहाड़ और जल स्रोतों की पूजा की जाती है। इस धरती पर भोलेनाथ का मंदिर, बीसलपुर बांध और हरियाली से युक्त पहाड़ियों का संगम इस भावना को साकार कर रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अनूठी पहल 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान से प्रेरणा लेकर हमारी सरकार ने 'हरियालो राजस्थान' की शुरुआत की है। यह संकल्प धरती माँ के प्रति सम्मान का प्रतीक है। हमनें अरावली पर्वतमाला के संरक्षण और इसे हरा-भरा बनाने के लिए 250 करोड़ रुपये की हरित अरावली विकास परियोजना बनाई है। परियोजना के तहत इस मानसून में 19 अरावली जिलों के 32 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में वृक्षारोपण करवा रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार ने प्रदेश के किसानों को पेयजल एवं सिंचाई के लिए जल उपलब्ध करवाने की दिशा में कई फैसले किए हैं। हमनें पूर्वी राजस्थान के किसानों के लिए रामजल सेतु लिंक परियोजना, शेखावाटी के लिए यमुना जल समझौते को आगे बढ़ाया है। वहीं, पश्चिमी एवं दक्षिणी राजस्थान के लिए माही बांध को जवाई बांध से जोड़ने और अन्य जिलों के लिए ब्राह्मणी नदी को बीसलपुर बांध से जोड़ने का काम किया जा रहा है। इसी तरह, हमारी सरकार 2027 तक प्रदेशभर के किसानों को दिन में बिजली उपलब्ध करवाने के लक्ष्य के साथ कार्य कर रही है और अब तक 22 जिलों के किसानों को दिन में बिजली उपलब्ध करवाई जा रही है। किसान अब अन्नदाता के साथ-साथ ऊर्जादाता बनने की ओर अग्रसर है। इसी तरह, पशुपालकों के लिए हमारी सरकार गोपाल क्रेडिट कार्ड के माध्यम से ऋण उपलब्ध करवा रही है।

मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि पूर्ववर्ती सरकार के कार्यकाल में पेपरलीक जैसी घटनाओं से किसानों और उनके युवा बेटों के सपनों पर कुठाराघात हुआ। वहीं, हमारी सरकार ने पेपरलीक के खिलाफ कार्रवाई के लिए एसआईटी गठित की और दोषियों को सलाखों के पीछे भेजा। हमारी सरकार एक भी दोषी को नहीं बख्शेगी। उन्होंने कहा कि पिछले डेढ़ वर्ष में पूरी पारदर्शिता और समयबद्ध रूप से भर्ती परीक्षाएं आयोजित हुई और एक भी पेपर लीक नहीं हुआ। हमारी सरकार ने पांच साल में 4 लाख सरकारी नौकरी के लक्ष्य की दिशा में हजारों युवाओं को समय पर नियुक्ति प्रदान करने के साथ ही भर्ती परीक्षाओं के लिए पूरे साल का कलैण्डर भी जारी किया है।

मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि जन सेवा की नीयत से किए गए काम धरातल पर दिख रहे हैं। हमारी सरकार ने पिछले डेढ़ साल में प्रदेश की सूरत बदलने का काम किया है और पूर्ववर्ती सरकार के 5 साल में किए गए कार्यों से ज्यादा काम किए हैं। उन्होंने कहा कि हमनें टोंक जिले के विकास के लिए दोनों वर्ष के बजट में प्रावधान किए है। 650 करोड़ रुपये से नसीराबाद से देवली तक सड़क को 4 लेन करवाने की डीपीआर के लिए निविदा आमंत्रित की जा चुकी है। इसके साथ ही 147 करोड़ रुपये से बनास नदी पर पुलिया निर्माण हेतु डीपीआर एवं 103 करोड़ रुपये से बीसलपुर परियोजना की दायीं व बायीं मुख्य नहर व विभिन्न माइनर प्रणालियों की मरम्मत व जीर्णोद्धार का काम शुरू किया है।

उन्होंने कहा कि इसी तरह, पेयजल के लिए हमनें 92 करोड़ 15 लाख रुपये से निवाई, डिग्गी व लांबा हरिसिंह की पेयजल योजनाओं का काम शुरू कर दिया है और 275 करोड़ रुपये से टोंक में सतत जलापूर्ति गुणात्मक संवर्धन कार्य करवाएंगे। हमारी सरकार 58 करोड़ 50 लाख रुपये से देवल से नगर तक सड़क का निर्माण करवा रही है।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने 20 करोड़ रुपये की लागत से मालपुरा से देवली तक सड़क के चौड़ाईकरण कार्य, 25 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से उनियारा खुर्द से किशनपुरा तक सड़क निर्माण कार्य, टोडारायसिंह में जलापूर्ति के लिए 24 करोड़ रुपये से अधिक एवं अलीगढ़ में साढ़े चार करोड़ रुपये से अधिक राशि के जल संवर्धन कार्यों का शिलान्यास किया। इससे पहले मुख्यमंत्री ने सिन्दूर का पौधा लगाया। कार्यक्रम में एक साथ 60 हजार पौधे लगाकर कीर्तिमान रचा गया। कार्यक्रम में जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री कन्हैयालाल ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा राजस्थान के भागीरथ के रूप में प्रदेश में कार्य कर रहे हैं जिससे राज्य में जल की पर्याप्त उपलब्धता हो सके। उन्होंने कहा कि इस सरकार के डेढ़ साल के कार्यकाल में जितना काम हुआ है, गत सरकार ने पूरे पांच साल में उतना काम नहीं किया। उन्होंने सभी से हरियालो राजस्थान के तहत ज्यादा से ज्यादा पौधारोपण करने की अपील की। ऊर्जा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) हीरालाल नागर ने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में ऊर्जा के क्षेत्र में प्राथमिकया जा रहा है। हम किसानों को 2027 तक दिन में बिजली देने के लिए कृत संकल्पित है। इस अवसर पर विधायक रामसहाय वर्मा, राजेंद्र गुर्जर, जितेंद्र गोठवाल, शत्रुघ्न गौतम, रामस्वरूप लांबा एवं जिला प्रमुख सरोज बंसल सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री ने किए बाबा रामदेव की समाधि के दर्शन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। लोक आस्था के प्रतीक बाबा रामदेव जी के 641वें वार्षिक मेले के अवसर पर राजस्थान सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री श्री अविनाश गहलोत ने गुरुवार को रामदेवरा पहुंचकर बाबा रामदेव जी की समाधि के दर्शन किए। इस अवसर पर पोकरण विधायक महंत प्रतापपुरी साथ रहे। मंत्री श्री गहलोत ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच विधिवत पूजा-अर्चना की एवं प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि, स्वास्थ्य और खुशहाली की मंगलकामना की। उन्होंने समाधि स्थल पर पुष्प एवं प्रसाद अर्पित किया तथा बाबा की अखंड जोत के दर्शन किए।

मंत्री श्री गहलोत ने इस दौरान मंदिर परिसर स्थित स्वास्थ्य चौकी पर उपस्थित स्वास्थ्य कार्मिकों से भी संवाद किया और मेला व्यवस्थाओं की सराहना करते हुए कहा कि बाबा रामदेव जी का मेला समरसता, भाईचारे और लोक आस्था का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि यह स्थल सभी धर्मों और समुदायों को जोड़ने का कार्य करता है और यहां आने से आत्मिक शांति की अनुभूति होती है। उन्होंने मेला क्षेत्र में प्रशासन द्वारा की गई व्यवस्थाओं का भी अवलोकन किया और प्रशासन की व्यवस्थाओं की सराहना की।

इस दौरान मंदिर समिति कार्यालय में बाबा वंशज गादीपति भोमसिंह तंवर एवं सांकडा पंचायत समिति के प्रधान भगवत सिंह तंवर ने सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री श्री अविनाश गहलोत को साफा, माला एवं दुपट्टा पहनाकर मंदिर समिति की ओर से स्वागत किया गया। इस दौरान उपखंड अधिकारी लाखा राम चौधरी, सहायक निदेशक प्रवीण प्रकाश चौहान, समाजसेवी नवल चौहान, मंदिर समिति के अन्य पदाधिकारी, स्थानीय जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी एवं सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि भी उपस्थित रहे।

इससे पहले सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री श्री अविनाश गहलोत ने बाबा रामदेव पैनोरमा का अवलोकन किया। मंत्री श्री गहलोत ने पैनोरमा में किए गए बाबा रामदेव के जीवन वृतांत के सुंदर चित्रण को सराहा। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री श्री गहलोत ने रामदेवरा में आयोजित नेत्र कुंभ शिविर का निरीक्षण कर संबंधित संस्थान द्वारा की गई उत्कृष्ट व्यवस्थाओं की सराहना की। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि यह शिविर एक जनकल्याणकारी पहल है, जो नेत्र ज्योति से वंचित व्यक्तियों के जीवन में फिर से उजाला भरने का कार्य कर रहा है।

यह सेवा मानवता एवं समर्पण की मिसाल है। इस नेत्र कुंभ शिविर में दूर-दराज़ से आए श्रद्धालुओं एवं जरूरतमंदों को निःशुल्क नेत्र जांच, परामर्श, ऑपरेशन एवं चश्मों की सुविधा उपलब्ध करवाई जा रही है। शिविर में कुशल नेत्र विशेषज्ञों, पैरामेडिकल स्टाफ एवं स्वयंसेवकों की टीम पूरी तत्परता से सेवाएं दे रही है।

प्रधानमंत्री की माता के लिए 'अपशब्द' का प्रयोग शर्मनाक : शर्मा

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की दिवंगत मां के बारे में कथित रूप से अपमानजनक टिप्पणी करने के लिए कांग्रेस नेता राहुल गांधी और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नेता तेजस्वी यादव की कड़ी निंदा की और इसे शर्मनाक और अस्वीकार्य बताया है। मुख्यमंत्री शर्मा ने बृहस्पतिवार देर रात जारी बयान में कहा कि बिहार में प्रधानमंत्री की दिवंगत माताजी का अपमान इन पार्टियों के चरित्र और संस्कार को दिखाता है।

उन्होंने कहा, राहुल गांधी और तेजस्वी यादव सहित विपक्षी गठबंधन के नेताओं को ये हजम नहीं हो रहा है कि गरीब मां का बेटा देश के प्रधानमंत्री पद पर कैसे आसीन है और कैसे देश की जनता ने उन्हें अपने दिलों में बैठाया हुआ है। भाजपा का आरोप है कि बिहार में कांग्रेस नेता राहुल गांधी की 'वोटर अधिकार यात्रा' के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के खिलाफ अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया गया। मुख्यमंत्री ने कहा, जिन पूज्य माताजी ने संघर्ष और परिश्रम की पराकाष्ठा से गरिमापूर्ण जीवन व्यतीत किया, उन पुण्यात्मा के शतायु होकर देवलोकगमन के बाद उनका इस तरह से कांग्रेस-आरजेडी द्वारा सार्वजनिक मंच से अपमान किया जाना भारत की महान परंपरा में कहीं से भी स्वीकार्य नहीं हैं। इस कथित टिप्पणी को देश मातृ शक्ति का अपमान बताते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की दिवंगत माताजी पर की गई अभद्र टिप्पणी घोर निंदनीय है।

एसआई भर्ती मामले में अभी बड़ी मछलियों के नाम आने बाकी : शेखावत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जोधपुर। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने कहा है कि पुलिस उपनिरीक्षक (एसआई) भर्ती परीक्षा-2021 की जांच पूरी होने दीजिए, अभी बड़ी मछलियों के नाम आने बाकी हैं। शेखावन ने शुक्रवार को अपने गृह जिले जोधपुर में हवाई अड्डे पर मीडिया से बातचीत में एसआई भर्ती परीक्षा रद्द होने पर यह बात कही। उन्होंने कहा कि न्यायालय ने इस भर्ती परीक्षा को रद्द किया लेकिन अंतिम फैसला आना अभी बाकी है। जांच अभी एसओजी कर रही है। न्यायालय के निर्णय का सम्मान करते हुए हमें जांच पूरी होने का इंतजार करना चाहिए।

उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का संकल्प था कि युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने वाले हर एक व्यक्ति को उसके किए की सजा मिले। शेखावत ने मामले में आरपीएससी के मेंबर भी सम्मिलित होने के सवाल पर कहा कि वह यह मानते हैं कि ये छोटी मछलियां हैं, बड़ी मछलियों के नाम आने बाकी हैं। जांच पूरी होने दीजिए।

उन्होंने कहा चुनाव से पहले भी मैंने कहा था, अनेक सफेदपोश लोग आज बड़ी-बड़ी बातें कर रहे हैं, उनमें से कई लोग जेल की सलाखों के पीछे आपको देखने को मिलेंगे।

न्यायालय के निर्णय पर क्रेडिट लेने से जुड़े सवाल पर शेखावत ने कहा कि सरकार के जांच के प्रतिवेदन के आधार पर न्यायालय में जो फैसला किया है, उसका सम्मान करना चाहिए। अब जिनको हर चीज में राजनीतिक लाभ लेने की भूख रहती है, उनसे कोई दूसरी अपेक्षा नहीं की जा सकती। बिहार में कांग्रेस नेता राहुल गांधी और राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) नेता तेजस्वी यादव द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए की गई टिप्पणी पर शेखावत ने कहा कि वो संविधान की किताब जेब में रखते हुए संविधान का मखौल उड़ा रहे हैं। कांग्रेस पार्टी को निश्चित तौर पर आत्मावलोकन करने की जरूरत है। अमेरिकी टैरिफ पर शेखावत ने कहा भारत पूरी ताकत से जुटा है। हम भारत के किसान, मछुआरे और लघु उद्योग के हित के विरुद्ध नहीं जा सकते हैं। आने वाला समय भारत का होगा। हम अपनी क्वालिटी इंप्रूव करेंगे और लागत कम करेंगे। दुनिया की चुनौतियां और बाधाओं को पार कर हम आगे बढ़ेंगे।

उन्होंने कहा कि जब पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी के समय परमाणु बम का परीक्षण हुआ, तब भी कई तरह के प्रतिबंध लगाए गए थे लेकिन भारत आगे बढ़ा था और आज भी आगे बढ़ेगा। शेखावत ने हवाई अड्डे पर पश्चिम बंगाल में ड्यूटी के दौरान शहीद हुए सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) जवान रमेश पोपावत को श्रद्धांजलि अर्पित की और उनके परिजनों से मिलकर उन्हें ढांढस बंधाया। शहीद जवान का अंतिम संस्कार उनके पैतृक गांव बोयल में सैन्य सम्मान के साथ किया जाएगा।

डीजीपी बताएं कि अधीनस्थ अधिकारी कर्तव्यों का निर्वहन क्यों नहीं कर रहे : न्यायालय

जोधपुर/दक्षिण भारत । राजस्थान उच्च न्यायालय ने पुलिस महानिदेशक से पूछा है कि उनके अधीनस्थ अधिकारी अपने वैधानिक कर्तव्यों का निर्वहन करने में लगातार विफल क्यों हो रहे हैं। न्यायमूर्ति फरजंद अली की एकल पीठ ने कुलदीप सिंह नामक व्यक्ति की याचिका पर गवाही देने के लिए पुलिस अधिकारियों के अदालत में पेश नहीं होने पर कड़ी नाराजगी व्यक्त की। अदालत ने मामले की अगली सुनवाई के दिन यानी 12 सितंबर को एक अनुपालन हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया।

राज्य सरकार के वकील ने अदालत को सूचित किया कि निचली अदालत के निरंतर प्रयासों के बावजूद अभियोजन पक्ष के गवाह, विशेष रूप से बरामदगी में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले पुलिस अधिकारी गवाही देने के लिए अदालत में पेश नहीं हो रहे। उन्होंने कहा कि कुछ पुलिस अधिकारियों के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट भी जारी किए गए हैं, लेकिन उन वारंट पर अभी तक अमल नहीं हुआ है।

इस पर अदालत ने कड़ी आपत्ति जताते हुए कहा कि एक लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए इससे शर्मनाक कुछ नहीं हो सकता कि एक सेवारत पुलिस अधिकारी को गिरफ्तारी वारंट जारी होने के बावजूद गिरफ्तार नहीं किया जा सका। अदालत ने कहा कि इस स्थिति से न्यायिक व्यवस्था में जनता का विश्वास डगमगा जाता है और कानून के शासन में समाज का भरोसा कम होता है। अदालत ने पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) से स्पष्टीकरण मांगा कि उनके अधीनस्थ अधिकारी लगातार अपने वैधानिक कर्तव्यों का पालन करने में विफल क्यों हो रहे हैं और एक पुलिस अधिकारी के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी होने के बावजूद उसे गिरफ्तार क्यों नहीं किया जा सका। डीजीपी को इस संबंध में एक हलफनामा प्रस्तुत करने के लिए कहा गया।

अधिकारी विभागीय घोषणाओं को धरातल पर उतारें : किरोड़ी लाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। कृषि एवं उद्यानिकी मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल ने कहा कि विभागीय अधिकारी बजट घोषणाओं को प्लानिंग के साथ तय समयावधि में पुरा करते हुए अधिक से अधिक पात्र किसानों को लाभ पहुंचाएं। जिससे उत्पादन में वृद्धि होगी और हमारे प्रदेश के किसान आर्थिक रूप से मजबूत बन सकेंगे। उन्होंने बजट घोषणाओं के क्रियान्वयन में किसी प्रकार की लापरवाही न बरतने और भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टोलरेंस अपनाए जाने के निर्देश प्रदान किए।

डॉ. किरोड़ी लाल शुक्रवार को कृषि अनुसंधान संस्थान दुर्गापुरा, जयपुर के श्याम ऑडिटोरियम में कृषि विभाग के विभागीय अधिकारियों के साथ राज्य स्तरीय समीक्षा बैठक ले रहे थे। इस दौरान उन्होंने सभी जिलों के संयुक्त निदेशकों व अतिरिक्त निदेशक (विस्तार) को विभागीय योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन के निर्देश दिए और कहा कि बजट घोषणाओं की निरंतर मॉनिटरिंग की जा रही है, ऐसे में सभी अधिकारीगण पूर्ण ईमानदारी एवं कर्तव्यनिष्ठा के साथ काम करते हुए योजनाओं को धरातलीय रूप प्रदान करें।

उन्होंने बैठक में जिलेवार उर्वरकों की मांग, आपूर्ति, खपत एवं उपलब्धता, रबी सीजन हेतु उर्वरकों की संभावित मांग सहित आपूर्ति, खपत एवं उपलब्धता की कार्य योजना पर चर्चा की।

इसके अलावा उर्वरक अनुज्ञापत्र हेतु योग्यता प्रमाण पत्र, जिलों द्वारा पीएम-प्रणाम योजना हेतु किए गए प्रयासों की जानकारी ली गई। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार द्वारा निरंतर केंद्र सरकार से समन्वय स्थापित कर उर्वरकों की आपूर्ती करवाई जा रही है। राज्य के किसानों को पर्याप्त मात्रा में उर्वरकों की उपलब्धत सुनिश्चित करने हेतु खरीफ 2025 में अप्रैल से अगस्त तक भारत सरकार द्वारा आवंटित 8 लाख 82 हजार मैट्रिक टन यूरिया के विरुद्ध अब तक 8 लाख 37 हजार मैट्रिक टन की आपूर्ती की जा चुकी है। शेष अवधि में 45 हजार मैट्रिन यूरिया की आपूर्ती जल्द ही कर दी जायेगी।

संभल दंगों की साजिश की पुष्टि करती है न्यायिक आयोग की रिपोर्ट : योगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

प्रतापगढ़/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने संभल में हुई हालिया हिंसा पर टिप्पणी करते हुए शुक्रवार को कहा कि एक दिन पहले सौंपी गई न्यायिक आयोग की रिपोर्ट दंगों की साजिश की पुष्टि करती है।

प्रतापगढ़ में 570 करोड़ रुपये की 186 विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करने के बाद यहां आयोजित एक समारोह को संबोधित करते हुए योगी आदित्यनाथ ने रिपोर्ट के निष्कर्षों का जिक्र किया।

मुख्यमंत्री ने कहा, न्यायिक आयोग ने कल संभल घटना पर अपनी रिपोर्ट सौंपी, जिसमें 2024 में दंगों की साजिश के कुछ हिस्सों का खुलासा किया गया है। योगी आदित्यनाथ ने दावा किया कि समाजवादी पार्टी (सपा) और कांग्रेस के समय में हिंदुओं को निशाना बनाया गया और उनकी जनसांख्यिकी को कम किया गया। उन्होंने कहा कि आज 'डबल इंजन' वाली सरकार है जो जनसांख्यिकी को बदलने नहीं देगी। योगी ने कहा कि विकास कार्यों को देखकर विपक्ष बौखला गया है। कांग्रेस और समाजवादी पार्टी का 'इंडी' गठबंधन वास्तव में 'एंटी इंडिया' गठबंधन है। यह गठबंधन भारत की आन-बान-शान से खिलवाड़ करता है और देश को जाति-धर्म के आधार पर बांटने का काम करता है। उन्होंने कहा, जब-जब इन्हें सत्ता मिली, तब-तब इन्होंने माफिया को बढ़ावा दिया, गुंडागर्दी करवाई और गरीबों का हक छीना। अब जनता ने इन्हें नकार दिया है। योगी ने हाल ही में बिहार में 'इंडिया' गठबंधन की रैली में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और उनकी दिवंगत मां पर की गई कथित अभद्र टिप्पणियों को विपक्ष की हताशा का नतीजा बताते हुए कहा कि ऐसे लोग राजनीति में जगह बनाने के लायक नहीं हैं।

असम का नेतृत्व ऐसे लोग नहीं कर सकते जो बार-बार पाकिस्तान जाते हों : अमित शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कहा कि असम का नेतृत्व ऐसे लोग नहीं कर सकते जो बार-बार पाकिस्तान जाते हैं।

शाह ने स्पष्ट तौर पर यह बात प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गौरव गोगोई के पाकिस्तान के साथ कथित संबंधों की ओर इशारा करते हुए कही। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा के बड़े पैमाने पर विकास कार्यों के दम पर भाजपा नीत राजग अगले साल असम में लगातार तीसरी बार सरकार बनाएगा। पंचायत प्रतिनिधियों की यहां आयोजित एक रैली को संबोधित करते हुए शाह ने अगले साल मार्च-अप्रैल में होने वाले असम विधानसभा चुनाव के लिए 'युद्ध का बिगुल' फूंका और कहा कि राज्य का प्रतिनिधित्व ऐसे नेता नहीं कर सकते जो घुसपैठियों और अतिक्रमणकारियों के प्रति सहानुभूति रखते हों। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश भर में अनेक विकास कार्य किए हैं और असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने उस विकास को राज्य के घर-घर तक पहुंचाया है। इन कार्यों की बदौलत, भाजपा के नेतृत्व वाला राजग अगले साल लगातार तीसरी बार असम में सरकार बनाएगा। विपक्षी कांग्रेस की आलोचना करते हुए शाह ने कहा कि असम का नेतृत्व घुसपैठियों के प्रति सहानुभूति रखने वाले और अतिक्रमण को बढ़ावा देने वाले लोग नहीं कर सकते। उन्होंने कहा, असम का नेतृत्व मोदी और शर्मा करते रहेंगे। गौरव गोगोई के संदर्भ में शाह ने कहा, असम का नेतृत्व ऐसे लोग नहीं कर सकते जो अकसर पाकिस्तान जाते हैं। असम के मुख्यमंत्री और भाजपा लोकसभा में कांग्रेस के उपनेता गोगोई पर उनकी पत्नी के पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई से कथित संबंधों को लेकर हमला बोलते रहे हैं। शर्मा ने दावा किया था कि गोगोई की ब्रिटिश पत्नी एलिजाबेथ कोलबर्न ने भारत और पाकिस्तान के बीच 19 बार यात्रा की थी। शाह ने कहा, घुसपैठियों ने हमारी हजारों एकड़ जमीन पर कब्जा कर लिया। भाजपा सरकार ने हर जगह से अतिक्रमण हटाने का अभियान चलाया, लेकिन गौरव गोगोई ने इसका विरोध किया... असम सरकार ने घुसपैठियों के अतिक्रमण से 1,29,548 एकड़ जमीन मुक्त कराई है। शाह ने कहा कि भाजपा ने घुसपैठियों को बाहर निकालकर श्रीमंत शंकरदेव और महापुरुष माधवदेव के सत्रों (वैष्णव मठों) की पवित्रता को बहाल किया है। उन्होंने कहा, कांग्रेस के शासनकाल में घुसपैठियों ने श्रीमंत शंकरदेव और महापुरुष माधवदेव के सत्रों की ज़मीन पर अतिक्रमण कर लिया था। अगर गोगोई विरोध भी करते हैं, तो भी भाजपा घुसपैठियों से अतिक्रमित ज़मीन का एक-एक इंच खाली कराएगी।

दलगत राजनीति से ऊपर उठकर काम करती हैं संसदीय समितियां: बिरला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/भाषा। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने शुक्रवार को कहा कि संसदीय समितियां ऐसे समय में लोकतंत्र का मुख्य आधार बनी हुई हैं और दलगत राजनीति से ऊपर उठकर काम करती हैं जब संसद तथा विधानमंडलों में चर्चा और संवाद के स्तर में गिरावट आई है।

भुवनेश्वर में संसद और राज्य विधानमंडलों की अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति कल्याण समितियों के सभापतियों के राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए बिरला ने विधि निर्माताओं से राष्ट्रहित के मुद्दों पर दलगत भावना से ऊपर उठकर कार्य करने का आग्रह भी किया। उन्होंने विधानमंडलों की बैठकों की संख्या में कमी और विधायी निकायों में सदस्यों के अमर्यादित आचरण पर चिंता व्यक्त की। अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति कल्याण समितियों के सभापतियों का पहला सम्मेलन 1976 में नई दिल्ली में आयोजित किया गया था। इसके बाद, 1979, 1983, 1987 और 2001 में सम्मेलन आयोजित किए गए, जिनमें अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के कल्याण और संवैधानिक सुरक्षोपायों के विभिन्न आयामों पर गहन चर्चा की गई। इस सम्मेलन का आयोजन दिल्ली से बाहर पहली बार किया गया है। बिरला ने कल्याणकारी योजनाओं को समाज के वंचित वर्गों तक सही मायने में पहुँचाने और उन्हें सशक्त बनाने के लिए सरकारी धन के प्रभावी उपयोग और सुदृढ़ निगरानी तंत्र की आवश्यकता पर बल दिया और समावेशी विकास को गति देने में वित्तीय अनुशासन और प्रशासनिक जवाबदेही की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। समितियों की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डालते बिरला ने कहा कि समितियां संसदीय लोकतंत्र का मुख्य आधार हैं। उनका कहना था, सदन में चर्चा पर हावी होने वाली राजनीतिक बाध्यताओं के विपरीत, समितियां दलगत राजनीति से ऊपर उठाकर मुद्दों की विस्तार से जांच करती हैं और आम सहमति पर आधारित सिफ़ारिशें करती हैं। लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि संसद और राज्य विधानमंडलों की समितियां निष्पक्ष रूप से कार्य करती हैं और राजनीतिक विचारधाराओं से ऊपर उठकर केवल लोगों के हित में निर्णय लेती हैं। उन्होंने मुताबिक, सदन में होने वाली चर्चाओं की तुलना में समितियों की चर्चाएं अधिक विस्तृत होती हैं, जो सरकार की नीतियों को स्पष्टता और दिशा प्रदान करती हैं तथा संवेदनशील मुद्दों पर आम सहमति बनाने में मदद करती हैं।

महुआ का घुसपैठ को लेकर अमित शाह पर हमले से बढ़ा विवाद, भाजपा ने दर्ज कराई शिकायत

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस की लोकसभा सदस्य महुआ मोइत्रा द्वारा घुसपैठ के मुद्दे पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ की गई टिप्पणियों से विवाद खड़ा हो गया है। उन्होंने अमित शाह पर बांग्लादेश से घुसपैठ रोकने में विफल रहने का आरोप लगाते हुए कथित तौर पर कहा कि उनका ''सिर काटकर मेज पर रख देना चाहिए।

भाजपा ने इसपर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए मोइत्रा की टिप्पणी को ''अप्रिय और घृणास्पद'' करार देते हुए आश्चर्य जताया कि क्या यह तृणमूल कांग्रेस का आधिकारिक रुख है। मोइत्रा ने नादिया जिले में एक कार्यक्रम से इतर संवाददाताओं से बातचीत में आरोप लगाया कि केंद्र सरकार सीमा सुरक्षा पर अपनी जिम्मेदारियों से बच रही है। 'पीटीआई-भाषा' हालांकि, उक्त वीडियो की प्रमाणिकता की पुष्टि नहीं करता। मोइत्रा ने कहा, वे बार-बार घुसपैठियों के बारे में बात कर रहे हैं। लेकिन भारत की सीमा की सुरक्षा पांच बलों द्वारा की जाती है, और यह सीधे तौर पर गृह मंत्रालय की जिम्मेदारी है। तृणमूल सांसद ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के स्वतंत्रता दिवस के संबोधन का हवाला देते हुए कहा, लाल किले से खड़े होकर प्रधानमंत्री ने खुद कहा कि घुसपैठिए जनसांख्यिकीय बदलाव कर रहे हैं। लेकिन जब वह यह कह रहे थे, तब उनके गृह मंत्री अग्रिम पंक्ति में खड़े होकर मुस्कुरा रहे थे और ताली बजा रहे थे।

पुलिस ने प्रधानमंत्री के खिलाफ अपशब्द कहने वाले व्यक्ति को गिरफ्तार किया

दरभंगा (बिहार)/भाषा। बिहार पुलिस ने राज्य में कांग्रेस नेता राहुल गांधी की 'वोटर अधिकार यात्रा' के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के खिलाफ कथित तौर पर अभद्र भाषा का इस्तेमाल करने वाले व्यक्ति को शुक्रवार को गिरफ्तार कर लिया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

आरोपी की पहचान मोहम्मद रिजवी उर्फ रजा (20) के रूप में हुई है, जिसे दरभंगा शहर के सिंहवाड़ा इलाके से गिरफ्तार किया गया।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की दरभंगा जिला इकाई के अध्यक्ष आदित्य नारायण चौधरी की शिकायत के आधार पर उसके और अन्य के खिलाफ मामला दर्ज किया गया।

एक कथित वीडियो में दरभंगा शहर में यात्रा के दौरान मंच से एक व्यक्ति प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के खिलाफ हिंदी में अपशब्द कहते हुए दिखाई दे रहा है, जहां से राहुल गांधी, उनकी बहन प्रियंका वाद्रा और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी यादव बुधवार को मोटरसाइकिल से मुजफ्फरपुर के लिए रवाना हुए थे।

राजनीति में उच्च पदों पर बैठे लोगों के खिलाफ अभद्र टिप्पणी दुखद और चिंतनीय : मायावती

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने शुक्रवार को कहा कि राजनीति में उच्च पदों पर बैठे लोगों के खिलाफ अभद्र टिप्पणी किया जाना दुखद और चिंतनीय है।

उनका यह बयान बिहार में कांग्रेस नेता राहुल गांधी की 'वोटर अधिकार यात्रा' के दौरान कथित तौर पर एक मंच से कुछ लोगों द्वारा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के खिलाफ की गई अभद्र टिप्पणी के बाद आया है। बसपा प्रमुख ने शुक्रवार को सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कहा, देश में खासकर राजनीतिक स्वार्थ के कारण राजनीति का गिरता हुआ स्तर अति-दुखद एवं चिंतनीय है। उन्होंने कहा, देश में उच्च सरकारी व गैर-सरकारी संस्थाओं व विशेषकर राजनीति में उच्च पदों पर बैठे लोगों के बारे में जिस प्रकार की अभद्र, अशोभनीय, अमर्यादित व असंसदीय टिप्पणी करके उनकी व देश की छवि को भी धूमिल करने के प्रयास किए जा रहे हैं वह अत्यंत दुखद व चिंतनीय है।

उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि इस संबंध में सभी दलों की राजनीति सिद्धांत आधारित तथा देश और आमजन के हित में होनी चाहिए। उन्होंने कहा, खासकर चुनाव के समय यह प्रक्रिया और भी अधिक विषैली व हिंसक हो जाती है।

इसी क्रम में अभी बिहार में भी जो कुछ देखने व सुनने को मिला है वह देश की चिंता को बढ़ाने वाला है। मायावती ने कहा कि बसपा किसी भी प्रकार की दूषित व जहरीली राजनीति के खिलाफ है।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने इस मुद्दे पर कहा है कि बिहार में आगामी विधानसभा चुनाव में कांग्रेस नीत 'इंडिया' गठबंधन को जनता द्वारा ''दंडित'' किया जाएगा।

प्रधानमंत्री मोदी के अपमान के विरोध में पटना में भाजपा का मार्च, कांग्रेस कार्यकर्ताओं से झड़प

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। बिहार में राहुल गांधी की 'वोटर अधिकार यात्रा' के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के लिए इस्तेमाल किए गए अपशब्दों का मुद्दा शुक्रवार को तब सड़कों पर आ गया जब भाजपा कार्यकर्ताओं ने राज्य कांग्रेस मुख्यालय पर धावा बोल दिया, जिसके बाद लोकसभा में विपक्ष के नेता ने कहा, सत्य की हमेशा जीत होती है''।

दो दिन पहले दरभंगा में माइक पर कथित तौर पर अपशब्द कहने वाले व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया गया, वहीं राज्य की राजधानी में भाजपा कार्यकर्ताओं ने राज्य कांग्रेस मुख्यालय 'सदाकत आश्रम' तक मार्च निकाला और इस दौरान उनकी कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ झड़प हुई। सदाकत आश्रम से कुछ किलोमीटर दूर स्थित भाजपा कार्यालय से मार्च का नेतृत्व करने वाले राज्य के मंत्री नितिन नवीन ने कहा, हम प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का अपमान बर्दाश्त नहीं करेंगे। राहुल गांधी, उनकी पार्टी और गठबंधन सहयोगियों को माफी मांगनी चाहिए। गांधी ने एक पोस्ट में अप्रत्यक्ष रूप से इस झड़प का जिक्र किया। गांधी ने पोस्ट में लिखा, सत्य और अहिंसा के आगे असत्य और हिंसा टिक ही नहीं सकते। मारो और तोड़ो, जितना मारना-तोड़ना है – हम सत्य और संविधान की रक्षा करते रहेंगे। सत्यमेव जयते।

हरित गतिशीलता: ओडिशा भारत में पांचवें नंबर पर, ई-बस बेड़े में बसें 1000 के पार ले जाने की योजना

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा सरकार ने शुक्रवार को कहा कि राज्य हरित गतिशीलता में देश में पांचवें स्थान पर है और प्रशासन ने आने वाले वर्षों में अपने इलेक्ट्रिक बस बेड़े में ऐसे वाहनों की संख्या 1,000 के पार ले जाने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा है।

आंकड़ों के अनुसार, फिलहाल पूरे भारत में 14,329 ई-बसें चल रही हैं, जिनमें से दिल्ली में सबसे अधिक 3,564 ऐसे वाहन हैं। महाराष्ट्र में 3,296, कर्नाटक में 2,236 और उत्तर प्रदेश में 850 ई-बसें हैं। ओडिशा 450 ऐसे वाहनों के साथ, इलेक्ट्रिक बसों को अपनाने वाले राज्यों में पांचवें स्थान पर है। फिलहाल, ओडिशा में ई-बसें मुख्य रूप से भुवनेश्वर, कटक और पुरी में यात्रियों को सेवा प्रदान करती हैं। एक बयान में कहा गया है कि 450 ई-बसें पहले से ही सड़कों पर हैं और आने वाले वर्षों में 1,000 का आंकड़ा पार करने की योजना है। राज्य अपने शहरों को अधिक स्वच्छ, स्मार्ट एवं अधिक यात्री-अनुकूल बनाने के लिए अपने हरित गतिशीलता पारितंत्र का तेजी से विस्तार कर रहा है।

सत्य और अहिंसा के आगे, असत्य और हिंसा टिक नहीं सकते, संविधान की रक्षा करते रहेंगे: राहुल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गोपालगंज (बिहार)/भाषा। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने पटना में पार्टी की बिहार इकाई के कार्यालय पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कार्यकर्ताओं के प्रदर्शन का परोक्ष रूप से हवाला देते हुए शुक्रवार को कहा कि सत्य और अहिंसा के आगे, असत्य और हिंसा टिक ही नहीं सकते तथा कांग्रेस सत्य एवं संविधान की रक्षा करती रहेगी। राहुल गांधी की 'वोटर अधिकार यात्रा' से संबंधित एक मंच से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की दिवंगत मां के लिए अभद्र भाषा के इस्तेमाल के विरोध में भाजपा द्वारा पटना में निकाले गए मार्च के दौरान शुक्रवार को भाजपा और कांग्रेस के कार्यकर्ताओं के बीच झड़प हो गई।

भाजपा कार्यकर्ताओं ने दरभंगा में प्रधानमंत्री मोदी की दिवंगत मां के लिए अपशब्द बोले जाने की घटना के खिलाफ नारे लगाते हुए प्रदेश कांग्रेस कमेटी के मुख्यालय सदाकत आश्रम तक मार्च निकाला। कांग्रेस का आरोप है कि भाजपा कार्यकर्ताओं ने सदाकत आश्रम के अंदर तोड़फोड़ की और उसके कार्यकर्ताओं पर हमला किया। 'वोटर अधिकार यात्रा' निकाल रहे राहुल गांधी ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, सत्य और अहिंसा के आगे, असत्य और हिंसा टिक ही नहीं सकते। मारो और तोड़ो, जितना मारना-तोड़ना है, हम सत्य और संविधान की रक्षा करते रहेंगे। सत्यमेव जयते।

कांग्रेस ने 75 साल की उम्र वाली टिप्पणी को लेकर भागवत पर कटाक्ष किया

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत की 75 साल की उम्र से संबंधित ताजा टिप्पणी को लेकर शुक्रवार को उन पर कटाक्ष किया और कहा कि उन्होंने एक महीने में दो विपरीत बयान दिए हैं। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने उनके दो बयानों से संबंधित खबर साझा करते हुए 'एक्स' पर पोस्ट किया, एक महीना, एक व्यक्ति, दो विपरीत बयान।

भागवत ने बृहस्पतिवार को कहा था कि उन्होंने कभी नहीं कहा कि वह 75 साल की उम्र में पद छोड़ देंगे या किसी को इस आयु में संन्यास ले लेना चाहिए।

संघ प्रमुख की इस टिप्पणी ने नेताओं के संन्यास लेने संबंधी उनकी हालिया टिप्पणी पर चल रही अटकलों पर विराम लगा दिया, जिसे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संदर्भ में देखा जा रहा था। मोदी और भागवत, दोनों अगले महीने 75 वर्ष के हो जाएंगे। भागवत ने 75 साल की उम्र में सेवानिवृत्ति या संन्यास के मुद्दे पर हाल में नागपुर में दिवंगत आरएसएस नेता मोरोपंत पिंगले की विनोदप्रियता पर प्रकाश डालते हुए उनका उद्धरण दिया था।

अरुणाचल के शि-योमी जिले में 15 मोर्टार बम निष्क्रिय किए गए : सेना

ईटानगर/भाषा। भारतीय सेना ने अरुणाचल प्रदेश के शि-योमी जिले के मोनिगोंग में बेकार पड़े 15 मोर्टार बमों को निष्क्रिय कर दिया है। रक्षा मंत्रालय के जनसंपर्क अधिकारी लेफ्टिनेंट कर्नल महेंद्र रावत ने शुक्रवार को एक बयान में यह जानकारी दी। सेना की स्पीयरहेड डिवीजन के अप्रयुक्त आयुध निपटान दल ने नागरिक प्रशासन के साथ समन्वय में यह अभियान चलाया।

लेफ्टिनेंट कर्नल महेंद्र रावत ने कहा कि खुदाई के दौरान नागरिकों के आवागमन वाले क्षेत्र में संवेदनशील और खतरनाक आयुध पाया गया, जिससे स्थानीय समुदाय की सुरक्षा को गंभीर खतरा पैदा हो गया है। अधिकारी ने बताया कि बिना किसी देरी के टीम को भेजा गया, जहां निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार 81 मिलीमीटर के मोर्टार को निष्क्रिय कर दिया गया।

भारत ने चीन को हराया लेकिन प्रदर्शन निराशाजनक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

राजगीर/भाषा। कप्तान हरमनप्रीत सिंह की हैट्रिक के बावजूद भारतीय टीम का एशिया कप हॉकी के पहले मैच में निचली रैंकिंग वाली चीन के खिलाफ प्रदर्शन निराशाजनक रहा हालांकि मेजबान ने 4 . 3 से जीत दर्ज की। हरमनप्रीत ने 20वें, 33वें और 47वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर पर गोल किए जबकि जुगराज सिंह ने 18वें मिनट में गोल दागा। हरमनप्रीत हालांकि एक पेनल्टी स्ट्रोक चूक गए।

चीन के लिए डु शिन्हाओ (12वां), चेन बेन्हाइ (35वां) और गाओ जीशेंग (42वां) ने गोल किए। पिछले दो बार की ओलंपिक कांस्य पदक विजेता भारतीय टीम भले ही मैच जीत गई हो लेकिन प्रदर्शन एकदम लचर रहा और उसने चीन को मैच में बने रहने के मौके दिए। भारतीय टीम 11 में से चार पेनल्टी कॉर्नर ही भुना सकी। भारत ने आक्रामक शुरुआत की और पहले ही मूव पर पहला मौका बनाया। मनदीप सिंह ने संजय को गेंद सौंपी लेकिन चीन के गोलकीपर वेइहाओ यांग ने उनका शॉट बचा लिया। भारत ने दबाव बनाये रखा और पहला पेनल्टी कॉर्नर भी हासिल किया। मनदीप ने इस पर गोल कर दिया था लेकिन चीन के रेफरल के बाद उसे अमान्य करार दिया गया। कुछ मिनट बाद दिलप्रीत सिंह ने करीब से रिवर्स हिट लगाई लेकिन चीन के गोलकीपर ने उसे बचाया। चीन ने पहले पेनल्टी कॉर्नर पर 12वें मिनट में बढत बनाई। पहले क्वार्टर से एक मिनट बाकी रहते भारत के पास फिर मौका था लेकिन पहले अभिषेक का शॉट वेहाओ ने बचाया और फिर दूसरे पेनल्टी कॉर्नर पर हरमनप्रीत की फ्लिक बाहर से निकल गई। दूसरे क्वार्टर के तीन मिनट के भीतर भारत ने बराबरी की जब जुगराज ने गोल दागा। दो मिनट बाद भारत को चौथा पेनल्टी कॉर्नर मिला और इस बार हरमनप्रीत ने कोई चूक नहीं की। एक मिनट बाद एक और पेनल्टी कॉर्नर हालांकि बेकार गया। चीन को एक और पेनल्टी कॉर्नर मिला लेकिन शॉट बाहर निकल गया। भारत को हाफटाइम से तीन मिनट पहले फिर पेनल्टी कॉर्नर मिला लेकिन हरमनप्रीत की फ्लिक को वेइहाओ ने बायीं ओर डाइव लगा बचाया। तीसरे क्वार्टर के तीसरे मिनट में भारत ने हरमनप्रीत के गोल के दम पर बढत पुख्ता की। दो मिनट बाद हालांकि चीन के लिए चेन ने पेनल्टी कॉर्नर पर गोल दागा। भारत के पास 39वें मिनट में एक और गोल करने का मौका था लेकिन पेनल्टी स्ट्रोक पर हरमनप्रीत का निशाना चूका और गेंद पोस्ट से टकरा गई।

टीम के प्रदर्शन का स्तर उम्मीदों के अनुरूप नहीं लेकिन जीत की खुशी: फुल्टन

राजगीर/भाषा। भारत के मुख्य कोच क्रेग फुल्टन पुरुष हॉकी टीम के एशिया कप के पहले मैच में कमजोर चीन के खिलाफ प्रदर्शन से संतुष्ट नहीं है लेकिन उन्हें इस बात की खुशी है कि टीम ने अपना अभियान जीत के साथ शुरू किया। विश्व रैंकिंग में सातवें पायदान पर काबिज भारतीय टीम ने अपने पहले मैच में 23वें नंबर के चीन के खिलाफ 4-3 की संघर्षपूर्ण जीत दर्ज की। फुल्टन ने मैच के बाद मीडिया से बातचीत में कहा, हमारे लिए मैच का पहला हाफ अच्छा था, हम अच्छी स्थिति में थे और फिर कुछ गलतियां कीं। हमारे पास सुधार करने का मौका था। यह अच्छा रहा कि दूसरे हाफ में हमें कुछ पेनल्टी कॉर्नर मिले और हमने उन्हें गोल में बदला। पेनल्टी स्ट्रोक चूकना दुर्भाग्यपूर्ण था। भारतीय कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने तीन पेनल्टी कॉर्नर गोल में बदले लेकिन दूसरे हाफ में एक पेनल्टी स्ट्रोक पर चूक गए। फल्टन ने कहा, हम खेल जीतने के लिए तो अच्छा खेले, लेकिन अपनी उम्मीदों के हिसाब से नहीं खेले। यह टूर्नामेंट का पहला मैच था। हमने कुछ मौके गंवाए और कुछ गोल भी खाये लेकिन यह देखना अच्छा था कि टीम ने पूरा जोर लगाया। फुल्टन ने कहा कि मैच में जीत दर्ज करने के बावजूद उनकी टीम को कई क्षेत्रों में सुधार करने की आवश्यकता है। दक्षिण अफ्रीका के इस पूर्व खिलाड़ी ने कहा, हमारे लिए महत्वपूर्ण बात यह थी कि हमें तीन अंक मिले। उन्होंने कहा कि इस टूर्नामेंट में किसी भी टीम को कम आंकना गलती होगी और शुक्रवार को ऐसा ही दिखा।

सुविचार

साहस केवल अपने लिए नहीं, बल्कि दूसरों के लिए भी जीना सिखाता है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

साफ हवा का सवाल

शिकागो विश्वविद्यालय के ऊर्जा नीति संस्थान (ईपीआईसी) द्वारा तैयार की गई एयर क्वालिटी लाइफ इंडेक्स (एक्यूएलआई) 2025 रिपोर्ट दिल्ली में वायु प्रदूषण की स्थिति के गंभीर नतीजों को बयान करती है। रिपोर्ट के तथ्यों और निष्कर्षों से सहमत या असहमत हो सकते हैं, लेकिन इस बात से कोई इन्कार नहीं कर सकता कि राष्ट्रीय राजधानी में वायु प्रदूषण एक बड़ी चुनौती है। दिल्ली की तस्वीर बदल देने का क्रांतिकारी वादा कर सत्ता में रही आम आदमी पार्टी (आप) ने भी इस मामले में निराश ही किया। साफ हवा और पर्यावरण की रक्षा को कितनी पार्टियां अपना मुद्दा बनाती हैं और सत्ता में आने के बाद कितनी इन पर गंभीरता से काम करती हैं? 'ऊंची इमारतें, चौड़ी सड़कें, सरपट दौड़ते वाहन' - यह तस्वीर विकास की एक झलक पेश करती है, लेकिन विकास का यही एकमात्र पैमाना नहीं होना चाहिए। क्या होगा अगर करोड़ों का बंगला बना लिया और शहर की हवा आपको बीमार कर रही हो? एक्यूएलआई 2025 रिपोर्ट का दावा है कि 'दिल्ली में वायु प्रदूषण के कारण हर निवासी की जीवन प्रत्याशा औसतन लगभग 8.2 वर्ष कम हो रही है!' अगर लोग लंबी अवधि तक इस हवा में सांस लेंगे तो उन्हें कई बीमारियां हो सकती हैं। यह समस्या सिर्फ दिल्ली की नहीं है। भारत के कई शहर वायु प्रदूषण से जूझ रहे हैं। अगर समय रहते इस ओर ध्यान नहीं दिया गया तो भविष्य में समस्या गंभीर हो सकती है। ज्यादातर शहरों के बाजारों और सब्जी मंडी वाले इलाकों में सुबह-सुबह लोग कचरा जलाते दिख जाएंगे। उन्हें लगता है कि वे इस तरह स्वच्छता में योगदान दे रहे हैं, जबकि इससे वायु प्रदूषण को बढ़ावा मिलता है।

लोग साफ हवा का महत्त्व समझने लगे हैं, लेकिन समस्या है- पहल कौन करे? सब जानते हैं कि वाहनों से निकलने वाला धुआं प्रदूषण फैलाता है। कितने लोग अपना वाहन होने के बावजूद सार्वजनिक परिवहन सुविधाओं का इस्तेमाल करना चाहेंगे? निर्माण संबंधी गतिविधियों से प्रदूषण होता है। हवा में उड़ते धूल के कण उन लोगों के लिए ज्यादा तकलीफदेह होते हैं, जिन्हें सांस संबंधी बीमारियां होती हैं। इन गतिविधियों को रोकने से कई लोगों के रोजगार पर संकट मंडरा सकता है। लिहाजा मलबे को ढक कर, पानी का छिड़काव कर और अन्य वैज्ञानिक विधियों से वायु प्रदूषण पर काबू पाना चाहिए। पंजाब और हरियाणा के खेतों में पराली जलाने से निकलने वाला धुआं हर साल दिल्ली में मुसीबत पैदा करता है। इन गतिविधियों को सख्ती से रोका जाना चाहिए। कृषि वैज्ञानिकों ने पराली जलाने के विकल्प ढूंढ़ें हैं, जो खेती के लिए फायदेमंद हो सकते हैं। सरकारों को उनके इस्तेमाल को प्रोत्साहन देना चाहिए। शहरों में पर्यावरण प्रदूषण की एक बड़ी वजह गांवों से लोगों का पलायन है। जहां आबादी का ज्यादा दबाव होता है, वहां संसाधनों की खपत बढ़ती है। जो लोग शहर जाकर आर्थिक कारणों या जगह की कमी होने से छोटे-छोटे कमरों या झुग्गियों में रहने को मजबूर होते हैं, वहां साफ हवा कैसे उपलब्ध होगी? कुछ लोग मेहनत-मजदूरी करने आते हैं, लेकिन उन्हें शहर में आशियाना नहीं मिलता। वे सड़क किनारे या पुलों के नीचे गुजर-बसर करते हैं। अगर उन्हें गांवों में ही रोजगार मिल जाए तो शहरों की हालत थोड़ी बेहतर हो जाएगी। रसोईघरों में लकड़ी के चूल्हों की जगह गैस सिलेंडरों ने ले ली है। यह पर्यावरण और लोगों, दोनों के लिए लाभदायक है। हालांकि कई जगह लकड़ी और कोयले का इस्तेमाल हो रहा है। वहां रसोई गैस सुलभ कराना सुनिश्चित होना चाहिए। पौधे पर्यावरण के मित्र होते हैं। हर साल पौधे लगाकर उनकी देखभाल करने से ही सबको साफ हवा मिलेगी।

ट्वीटर टॉक

'खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स 2025' के सफल आयोजन की तैयारियों को लेकर मुख्यमंत्री कार्यालय में संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक ली। उपस्थित अधिकारियों को आयोजन की सभी तैयारियों को व्यवस्थित रूप से संपन्न करने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए।

-भजनलाल शर्मा

आज भाजपा प्रदेश मुख्यालय में शिक्षा के क्षेत्र में राष्ट्रीय व राज्य स्तर पर सम्मानित शिक्षकों से प्रदेश उपाध्यक्ष श्री नारायण लाल पंचारिया जी के साथ मुलाकात की। शिक्षक समाज के मार्गदर्शक हैं और उनके योगदान से ही देश का भविष्य संवरता है।

-मदन राठौड़

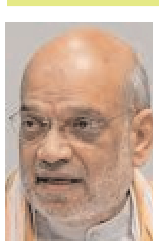

परिश्रम करके अपने बच्चों को संस्कारित करने वाली एक माँ का अपमान कर राहुल गांधी की पार्टी ने सभी सीमाएँ लाँघ दी हैं। राजनीति में इससे ज़्यादा पतन और क्या होगा? जनता इसके लिए कांग्रेस को कभी माफ नहीं करेगी।

-अमित शाह

प्रेरक प्रसंग

समता की दृष्टि

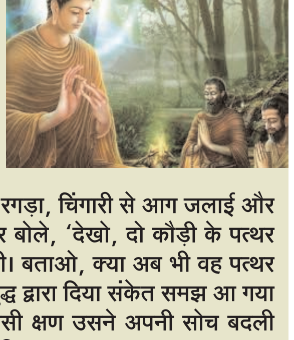

एक बार गौतम बुद्ध से एक जमींदार मिलने आया, जो अहम भावना से ग्रस्त था। बातचीत में बुद्ध समझ गए कि वह स्वयं को श्रेष्ठ और गरीबों को तुच्छ समझता है। बुद्ध ने एक युक्ति सोची। उन्होंने कक्ष में अंधेरा करवा दिया और जमींदार से उसकी रत्नजड़ित अंगूठी लेकर फर्श पर गिरा दी। आवाज सुनते ही जमींदार व्याकुल हो गया और तुरंत पत्थर मंगवाकर उसे आपस में रगड़ा, चिंगारी से आग जलाई और रोशनी में अंगूठी खोज ली। बुद्ध मुस्कराए और बोले, 'देखो, दो कौड़ी के पत्थर की मदद से तुमने अपनी कीमती अंगूठी पा ली। बताओ, क्या अब भी वह पत्थर तुच्छ है?' जमींदार की आंखें खुल गईं। उसे बुद्ध द्वारा दिया संकेत समझ आ गया कोई भी व्यक्ति छोटा या तुच्छ नहीं होता। उसी क्षण उसने अपनी सोच बदली और सबको समान दृष्टि से देखने का संकल्प लिया।

सामयिक

भारत-जापान दोस्ती से नए वैश्विक संतुलन की कोशिश

ललित गर्ग
मोबाइल : 9811051133

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जापान यात्रा केवल एक राजनयिक औपचारिकता नहीं, बल्कि इक्कीसवीं सदी की नई एशियाई शक्ति संरचना का संकेत है। यह यात्रा भारत और जापान के बीच दोस्ती के नए दौर' का आगाज है, जो वैश्विक व्यापार, सुरक्षा और रणनीतिक संतुलन पर गहरा असर डालेगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को भारत-जापान ज्वाइंट इकोनॉमिक फोरम को संबोधित करते हुए जापान की टेक्नोलॉजी और भारत के टैलेंट से दोनों देशों के साथ दुनिया की तस्वीर बदलने की बात कही। भारत की विकास यात्रा में जापान की अहम भूमिका रही है। मेट्रो से मैन्युफैक्चरिंग, सेमीकंडक्टर से स्टार्टअप तक अनेक विकास, तकनीकी एवं औद्योगिक क्षेत्रों में हमारी साझेदारी आपसी विश्वास का प्रतीक बना है। भारत विश्व की सबसे तेज विकसित होती अर्थ-व्यवस्था है। बहुत जल्द विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनेगा, जिसमें दोनों देशों की निकटता से नए आयाम उद्घाटित होंगे। आज वैश्विक परिदृश्य में सबसे बड़ी चुनौती अमेरिका और चीन, अमेरिका एवं भारत के बीच चल रही 'टैरिफ वार' है। अमेरिका द्वारा लगाए गए भारी शुल्क ने अंतरराष्ट्रीय व्यापार की दिशा बदल दी है। इस टकराव का असर केवल अमेरिका-चीन पर नहीं पड़ा, बल्कि भारत जैसे उभरते बाजारों और विकसित होते देशों पर भी गहरा संकट आया है। भारत के निर्यात को नुकसान पहुँचा है, कच्चे माल की कीमतों में अस्थिरता आई है और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला बाधित हुई है। ऐसे समय में भारत-जापान का एक-दूसरे के और नजदीक आना एक 'रणनीतिक अवसर' है। जापान तकनीक, पूँजी और नवाचार में अग्रणी है, वहीं भारत के पास विशाल मानव संसाधन, बड़ा बाजार और विकास की अपार संभावनाएं हैं। मोदी की यह यात्रा इन दोनों शक्तियों को एक साझा मंच पर लाने का प्रयास है, ताकि अमेरिका की टैरिफ वार से बने शून्य की भरपाई की जा सके।

निश्चित ही अमेरिका का भारत पर 50 फीसदी टैरिफ लगाना भारत के सामने एक बड़ी चुनौती है और इस चुनौती का सामना करने में भारत सक्षम भी है। इन्हीं जटिल स्थितियों के बीच भारत अपने उत्पादों के लिए नए बाजार की तलाश में है। प्रधानमंत्री मोदी जापान के बाद चीन जाएंगे और वहां एससीओ समिट में भी हिस्सा लेंगे। चीन में प्रधानमंत्री मोदी की मुलाकात राष्ट्रपति शी जिनपिंग और रूसी राष्ट्रपति व्लादीमीर पुतिन से भी हो सकती है। मोदी की यह जापान यात्रा केवल व्यापार तक सीमित नहीं है। चीन के विस्तारवाद, अमेरिका की अनिश्चित नीतियों और रूस-यूक्रेन युद्ध जैसे हालात में भारत और जापान का साथ आना संतुलनकारी शक्ति' की तरह काम करेगा। दोनों देशों ने 'इंडो-पैसिफिक रणनीति' को मजबूती देने पर जोर दिया है, जिसका उद्देश्य एशिया में शांति, स्थिरता और मुक्त व्यापार सुनिश्चित करना है।

जापान भारत का पूराना मित्र राष्ट्र है। भारत और जापान के रिश्तों की नींव कोई आज की नहीं है। आठवीं शताब्दी में बोधिसेना नामक भारतीय साधु ने नारा के तोदाईजी मंदिर में भगवान बुद्ध की मूर्ति में प्राण प्रतिष्ठा की थी। यह पहला ऐतिहासिक संपर्क माना जाता है। आगे चलकर स्वामी विवेकानंद, रवींद्रनाथ टैगोर, नेताजी सुभाष चंद्र बोस और जस्टिस राधा बिनोद पाल जैसी हस्तियों ने दोनों देशों के रिश्तों को गहरा किया। आजादी की लड़ाई के दौरान नेताजी सुभाषचन्द्र बोस और आजाद हिन्द फौज को जापान से मिला समर्थन एवं सहयोग इस बात का प्रमाण है कि दोनों देशों के रिश्ते सन 1947 से पहले से ही प्रगाढ़ एवं मित्रतापूर्ण थे। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद भारत ने जापान के साथ अलग शांति संधि की, जिससे दोनों देशों के बीच आधिकारिक रिश्तों की शुरुआत हुई। आज भारत-जापान साझेदारी में रक्षा, विज्ञान, शिक्षा, संस्कृति और रणनीतिक सुरक्षा जैसे कई क्षेत्र शामिल हैं। मित्रता एवं सहयोग की यह विरासत आज भी जारी है, यही कारण है कि प्रधानमंत्री मोदी की यह जापान की 8वीं यात्रा है। उन्होंने जापान के प्रधानमंत्री शिगेरू इशिबा को 15वें भारत-जापान वार्षिक शिखर सम्मेलन आयोजित करने के लिए धन्यवाद भी दिया।

मोदी की यह जापान यात्रा निश्चित तौर पर दूरगामी उद्देश्यों से जुड़ी है। दोनों देशों के साझेदारी से नयी दिशाएं उद्घाटित होंगी, हालांकि इस साझेदारी की राह आसान नहीं है। भारत को अपनी नौकरशाही जटिलताओं, बुनियादी ढाँचे की कमी और नीतिगत अस्थिरताओं को दूर करना होगा, ताकि जापानी निवेशकों का विश्वास बढ़ सके। वहीं जापान को भी यह समझना होगा कि भारत का बाजार केवल उपभोक्ताओं का नहीं बल्कि एक साझेदारी की संभावनाओं का बाजार है। अमेरिका की टैरिफ वार ने वैश्विक व्यापार को असंतुलित किया है, लेकिन भारत-जापान की साझेदारी इसे संतुलन की दिशा दे सकती है। यदि यह रिश्ता आगे बढ़ता है, तो भारत केवल जापान का साझेदार ही नहीं रहेगा, बल्कि पूरे एशिया में 'नई शक्ति धुरी' का केंद्र बन सकता है। भारत-जापान की निकटता एवं आपसी समझौते अनेक दृष्टियों से महत्वपूर्ण है, व्यापारिक दृष्टिकोण से भरपूर संभावनाएं हैं। इससे सप्लाई चेन का नया केंद्र विकसित होगा। वैसे भी जापान, चीन पर निर्भरता घटाना चाहता है। भारत इसके लिए सबसे स्वाभाविक विकल्प है। यदि जापानी उद्योग भारत में बड़े पैमाने पर निवेश करते हैं तो मेक इन इंडिया' को नई ऊर्जा मिलेगी।

हाई-टेक सहयोग से सेमीकंडक्टर, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, रोबोटिक्स और हरित ऊर्जा के क्षेत्र में भारत-जापान साझेदारी एशिया की नई तकनीकी धुरी बना सकती है। यह व्यापारिक संतुलन का भी आधार है। अमेरिका और यूरोप के बाजार अस्थिर हैं। भारत-जापान मिलकर 'एशिया-प्रशांत' को स्थिर और सशक्त व्यापारिक क्षेत्र बना सकते हैं। दोनों देश बुनियादी ढाँचा निर्माण करते हुए एक दूसरे के विकास में सहायक होंगे। जापान का विशेष अनुभव और वित्तीय सहयोग भारत की मेट्रो रेल, हाई-स्पीड बुलेट ट्रेन और बंदरगाह परियोजनाओं में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। यह न केवल भारत की अर्थव्यवस्था को गति देगा, बल्कि दोनों देशों को दीर्घकालिक साझेदार बनाएगा। निश्चित दौर पर मोदी की जापान यात्रा केवल दोस्ती का नया अध्याय नहीं है, बल्कि अमेरिका-चीन टकराव से उपजे शून्य को भरने की कोशिश है। यह भारत को एक पैसिव खिलाड़ी' से ग्लोबल लीडर' की भूमिका में लाने का अवसर है।

भारत-जापान की दोस्ती का नया दौर बदलती वैश्विक परिस्थितियों और शक्ति-संतुलन का निर्णायक पहलू है। आज की दुनिया बहुध्रूवीय व्यवस्था की ओर बढ़ रही है। अमेरिका और चीन की टकराहट ने एशिया-प्रशांत क्षेत्र को विश्व राजनीति का केंद्र बना दिया है। चीन की आक्रामक नीतियां, उसके विस्तारवादी रुख और आर्थिक दबदबे की कोशिशों ने भारत और जापान को स्वाभाविक रूप से निकट लाया है। भारत-जापान की साझेदारी अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और अन्य लोकतांत्रिक देशों के साथ मिलकर 'क्वाड' को मजबूत करती है। यह केवल सुरक्षा गठबंधन नहीं बल्कि इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में स्वतंत्र नौवहन, आतंकवाद से मुकाबला, और आपसी व्यापार-विकास का साझा दृष्टिकोण है। इससे चीन की एकध्रूवीय शक्ति बनने की महत्वाकांक्षा पर अंकुश लगता है।

अमेरिका की संरक्षणवादी नीतियों और टैरिफ बाधाओं ने भारत-जापान को विकल्प खोजने पर मजबूर किया है। दोनों देश मिलकर चीन-प्लस-वन' रणनीति को आगे बढ़ा सकते हैं, यानी चीन पर निर्भरता कम करके एशिया और अफ्रीका के नए बाजारों में निवेश और उत्पादन केंद्र बना सकते हैं। इससे वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला संतुलित होगी। जापान भारत में बुलेट ट्रेन, स्मार्ट सिटी, डिजिटल इंडिया और नवीकरणीय ऊर्जा के प्रोजेक्ट्स में निवेश कर रहा है। भारत की युवा कार्यशक्ति और जापान की तकनीकी दक्षता मिलकर नवाचार और टिकाऊ विकास का मॉडल पेश कर सकती है। यह मॉडल पश्चिमी पूंजीवाद और चीनी साम्यवादी अर्थशास्त्र से भिन्न होगा। दोनों देशों के बीच संबंध केवल रणनीति या व्यापार तक सीमित नहीं हैं बल्कि साझा मानवीय मूल्यों से नैतिक गहराई प्रदान करने का आधार भी है। यह मित्रता सॉफ्ट पावर' के रूप में भी वैश्विक शांति को आधार देगी। यह न तो किसी आक्रामक गठबंधन का रूप है और न ही केवल आर्थिक लाभ का गणित। बल्कि यह लोकतंत्र, शांति, प्रौद्योगिकी और मानवता पर आधारित एक नए वैश्विक युग की नींव है। निश्चित तौर पर कहा जा सकता है कि मोदी की दो दिवसीय यह यात्रा न सिर्फ भारत-जापान संबंधों को नई ऊंचाई देने का मौका होगी बल्कि एशियाई कूटनीति में भारत की भूमिका को और मज़बूत करेगी। भारत-जापान का नया दौर विश्व को दो संदेश देता है कि शक्ति का संतुलन केवल सैन्य बल से नहीं, बल्कि सहयोग, विकास और नैतिक मूल्यों से बनेगा। एशिया का भविष्य भारत और जापान की साझेदारी से निर्धारित होगा, जो दुनिया को स्थिरता और संतुलन की दिशा देगा।

नजरिया

मानवीय अत्याचारों के खिलाफ रौद्र रूप दिखा रही प्रकृति

अभिषेक नृप

वनों की कटाई, प्रदूषण और औद्योगीकरण, प्राकृतिक संसाधनों के अत्यधिक दोहन प्रकृति की सेहत को लगातार नुकसान पहुंचा रहा है, नतीजतन जलवायु परिवर्तन, चरम मौसम की घटनाएं, बाढ़ और समुद्र के स्तर में वृद्धि जैसे गंभीर दृश्य सामने आ रहे हैं। प्रकृति अपना रौद्र रूप इन पर्यावरणीय क्षतियों और प्राकृतिक आपदाओं के रूप में दिखाती है, जो मानव निर्मित हैं। विडंबना यह है कि प्रकृति के सख्त संदेशों की भी हम लगातार अनदेखी कर रहे हैं। देवभूमि उत्तराखण्ड के धाराली में प्रकृति ने जो रौद्र रूप दिखाया वो देश दुनिया ने देखा है। ताजा संदर्भ जम्मू में वैष्णो देवी मार्ग पर भूस्खलन से 40 से ज्यादा श्रद्धालुओं की मौत दुखद घटना है।

जम्मू संभाग में 2014 के बाद फिर ऐसी जल तबाही देखने को मिली है। चारों ओर भारी क्षति हुई है। जम्मू संभाग की सभी प्रमुख नदियां खतरे के निशान के ऊपर बह रही हैं। प्रभावित क्षेत्रों में सैकड़ों लोगों ने सुरक्षित स्थानों पर शरण ली है। प्रकृति बार बार संकेत दे रही है। और हम बारंबार गलती को सुधारने की बजाय प्रकृति से छेड़छाड़ और उसके दोहन में लगे हुए हैं। उत्तरकाशी के जिस धराली गांव में बादल फटने और फिर तीव्र वेग के जल-प्रलय की आपदा आई है, ऐसी आपदाएं 1864, 2013 और 2014 में भी आ चुकी हैं। आखिर पहाड़ इतने खौफनाक और खतरनाक क्यों होते जा रहे हैं? क्या पहाड़ में आवास दूभर हो गया है? लगातार भूस्खलन और बाढ़ की घटनाएं क्यों बढ़ती जा रही हैं? क्या हिमालय पर्वत के हिस्से भी दरकने और बड़े-बड़े पत्थरों के रूप में गिरने लगे हैं? इन घटनाओं और आपदाओं में बारिश और बादल फटने की घटनाएं कुदरत का कहर' मानी जा सकती हैं। इसके अलावा घर, दुकान, मंदिर, इमारतें, होटल आदि का जमींदोज होना, नतीजतन मौत के आंकड़े बढ़ते रहने की आपदाएं मानव-निर्मित' हैं।

विकास के नाम पर पहाड़ खोदे जा रहे हैं। पहाड़ों को चीरकर सुरंगें बनाई जा रही हैं। रेल की पटरी बिछाई जा रही है। नदी-नालों के किनारे अथवा उन्हीं के भीतर होटल, रिजॉर्ट की बहुमंजिला इमारतें खड़ी की जा रही हैं। उत्तराखंड में ही जिस 50 हजार वर्ग हेक्टेयर में जंगलात थे, अब वहां पक्की इमारतें चिन दी गई हैं। मौजूदा उत्तरकाशी के प्रलय में धराली गांव ही बह कर मिट्टी-मलबा हो गया। इस वर्ष पहाड़ी राज्य हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, जम्मू-कश्मीर व पूर्वोत्तर के हिमालयी राज्यों में बादल फटने, हिमस्खलन और मलबे के सैलाब की जो घटनाएं सामने आई हैं, उन्होंने हर किसी को डरा दिया है। बांधों से आया अतिरेक पानी रावी, ब्यास व सतलुज को विकराल बना गया, जिससे पंजाब के करीब एक दर्जन जिले जलमग्न हो गए हैं। हजारों एकड़ फसलें बर्बाद हो गई हैं। पुल बहने व सड़कें तबाह होने से जन-जीवन पंगु बनकर रह गया है। पहाड़ों के लोग हैरत में हैं कि अचानक बादल फटने की घटनाओं में ये अप्रत्याशित वृद्धि कैसे हुई है। क्या कुदरत नाराज है? क्या ये गहराते ग्लोबल वार्मिंग संकट की देन है?

वास्तव में, हमारे नीति-नियंता पहाड़ों के पारिस्थितिकीय तंत्र की संवेदनशीलता को महसूस नहीं करते। भूल जाते हैं कि पहाड़ों का विकास मैदानी मॉडल पर नहीं किया जा सकता। साथ ही राज्यों तथा केंद्र शासित प्रदेशों के अधिकारियों की आधी-अधूरी तैयारियां भी संकट बढ़ाने वाली साबित हुई हैं। उल्लेखनीय है कि सर्वोच्च न्यायालय में दायर एक हलफनामे में, हिमाचल सरकार ने स्वीकार किया है कि पारिस्थितिक असंतुलन से निपटने के मौजूदा उपायों में कमियां रही हैं। विडंबना यह है कि प्राकृतिक आपदाओं को कम करने की तंत्र में कोई तात्कालिकता नजर नहीं आती। फिर इन आपदाओं का खामियाजा वे लोग उठाते हैं, जिनका इस स्थिति को पैदा करने में कोई रोल नहीं होता।

उत्तराखंड के धराली प्रलय से पहले भूस्खलन का औसत 250 था, जो 2023 तक 1600 से अधिक हो गया। इतना गुना भूस्खलन क्यों और कैसे बढ़े? पहाड़ इतनी मात्रा में क्यों टूटने लगे हैं? इस सवाल का जवाब न तो केंद्र और न ही राज्य सरकार ने दिया है। कुछ उच्चाधिकार प्राप्त समितियां जरूर बनाई जाती रही हैं, लेकिन वे विशेषज्ञों और वैज्ञानिकों के सुझावों को नकारती रही हैं। मसलन-वैज्ञानिकों के सवाल हैं कि पहाड़ों में फोरलेन सडक़' बनाना क्यों जरूरी है? दो लेन की सडक़ें पर्याप्त और सहज हैं। ऐसे निर्माण दिखावटी विकास तो हैं, लेकिन विनाश और मौत के अंधे कुएं भी तैयार कर रहे हैं। केदारनाथ प्रलय के बाद रडार लगाने की बात सामने आई थी, ताकि बादल फटने और जल-प्रलय के पूर्व संकेत मिल सकें। उनका क्या हुआ? उत्तरकाशी प्रलय के कुछ भी संकेत क्यों नहीं मिल सके। मात्र 34 सेकंड में बहुत कुछ मलबा हो गया।

हिमालयी क्षेत्र के लिए 'ग्लोबल वार्मिंग' और 'जलवायु परिवर्तन' भी खतरनाक स्थितियां हैं। उनसे एक अलग स्तर पर लड़ने की जरूरत है। आपदा के लिहाज से धराली टाइम बम' पर बैठा माना जाता रहा है, लेकिन इसे कहीं और शिफ्ट नहीं किया गया। वरिष्ठ भूगर्भ वैज्ञानिक प्रो. एसपी सती का कहना है कि धराली ट्रांस हिमालय (4000 मीटर से ऊपर) में मौजूद मेन सेंट्रल थ्रस्ट है। यह एक दरार होती है, जो मुख्य हिमालय को ट्रांस हिमालय से जोड़ती है। यह भूकंप का अति संवेदनशील क्षेत्र भी है। इस खतरे को समझना होगा। हिमाचल सरकार की पहल सराहनीय है, जिसमें संकट को बढ़ाने वाली खामियों की पहचान करने हेतु अधिकारियों, विषय विशेषज्ञों और सामुदायिक प्रतिनिधियों का एक कोर ग्रुप बनाने में उत्सुकता दिखायी गई है। वहीं दूसरी ओर जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने जोखिमों को कम करने के उपायों पर विचार-विमर्श करने हेतु विशेषज्ञों से परामर्श का आह्वान किया है। स्वतंत्रता दिवस के संबोधन में भी, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आपदाओं के बाद बचाव, राहत व पुनर्वास में राज्य सरकारों तथा केंद्र सरकार के विभिन्न विभागों के समन्वय की प्रशंसा की थी। हालिया आपदाओं के मद्देनजर ऐसा तालमेल अपरिहार्य है। जिससे आपदाओं से लोगों की आजीविका और बुनियादी ढांचे का नुकसान कम से कम किया जा सके।

निस्संदेह, प्राकृतिक आपदाओं की आवृत्ति वनों की कटाई, अनियमित विकास तथा जलवायु परिवर्तन के कारकों की वजह से तेज हुई है। वास्तव में मौजूदा स्थितियों में जो कुछ करने की जरूरत है, वो किसी भी तरह कोई रॉकेट साइंस नहीं है। इस संकट के मुकाबले के लिये वैज्ञानिक व प्रशासनिक व्यवस्था की गहरी समझ रखने वाले विशेषज्ञों को शामिल करने की जरूरत है। उनकी राय और सलाह नीति-निर्माताओं का मार्गदर्शन करेगी। सरकारों को राजनीतिक और व्यावसायिक हितों को दरकिनार करते हुए, पर्यावरण संवर्धन के लिये काम करना चाहिए। विशेषज्ञों के अनुसार प्राकृतिक आपदाओं की पूर्व चेतावनी प्रणाली में सुधार करना समय की जरूरत है। निस्संदेह, खतरे के जरा से भी संकेत मिलने पर प्रभावित क्षेत्रों में लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने में तनिक भी देरी नहीं की जानी चाहिए। साथ ही प्रभावित राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों को आपस में मिलकर प्राकृतिक आपदाओं से जुड़ी जानकारी परस्पर साझा करनी चाहिए। वहीं पर्यावरण अनुकूल उपायों को भी बढ़ावा देना चाहिए।

प्रकृति अपने रौद्र रूप में मानव को प्रकृति के साथ सह-अस्तित्व बनाए रखने और पर्यावरण के विनाश से रोकने के लिए प्रेरित करती है। यह मानव निर्मित आपदाएं दर्शाती हैं कि प्रकृति का दोहन करने पर उसके परिणाम कितने विनाशकारी हो सकते हैं। निस्संदेह, दुनिया की चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था प्राकृतिक आपदाओं के प्रकोप से होने वाली जन-धन की हानि को बर्दाश्त नहीं कर सकती है।

महत्त्वपूर्ण
Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- दक्षिण भारत राष्ट्रमत

उद्घाटन

भाजपा की केरल इकाई के अध्यक्ष राजीव चंद्रशेखर ने शुक्रवार को तिरुवनंतपुरम में धान खरीद योजना में बकाया राशि का भुगतान न करने के विरोध में धान किसानों द्वारा सचिवालय के सामने दिए जा रहे धरने का उद्घाटन किया।

प्रधानमंत्री मोदी, राष्ट्रपति चिनफिंग के एससीओ शिखर सम्मेलन से इतर दो बार मिलने की संभावना

बीजिंग/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग के रविवार को तियानजिन में एससीओ शिखर सम्मेलन से इतर दो द्विपक्षीय बैठकें करने की संभावना है। सूत्रों ने यह जानकारी दी। इन बैठकों को इसलिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि भारत और चीन अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की टैरिफ नीति से उपजे वैश्विक व्यापार तनाव के बीच द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने पर विचार कर रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी शनिवार शाम को जापान से तियानजिन पहुंचेंगे, जहां वह रविवार दोपहर के आसपास राष्ट्रपति चिनफिंग के साथ द्विपक्षीय बैठक करेंगे और फिर एससीओ शिखर सम्मेलन के आधिकारिक भोज में शामिल होने से पहले दोनों नेताओं की संभवतः एक और मुलाकात भी हो सकती है। सूत्रों के अनुसार, मोदी सोमवार को शंघाई सहयोग संगठन के शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेंगे और उनके स्वदेश रवाना होने से पहले रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ द्विपक्षीय बैठक करने की संभावना है। रूसी तेल की खरीद को लेकर भारतीय वस्तुओं के आयात पर ट्रंप की ओर से लगाए गए अतिरिक्त टैरिफ के चलते भारत-अमेरिका संबंधों में अचानक आई गिरावट के मद्देनजर 10 सदस्यीय एससीओ का शिखर सम्मेलन द्विपक्षीय रिश्तों के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

स्वागत

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार को 15वें भारत-जापान वार्षिक शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए अपनी दो दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर टोक्यो पहुँचे, जहाँ एक होटल में भारतीय प्रवासियों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया।

मेजर ध्यानचंद को कब मिलेगा भारत रत्न, इंतजार बरसों से जारी

नई दिल्ली/भाषा। उनके नाम पर राष्ट्रीय खेल सम्मान, उनका जन्मदिन 29 अगस्त राष्ट्रीय खेल दिवस और देश भर में अनेक स्टेडियमों पर उनका नाम लेकिन हॉकीप्रेमियों को यह कचोटता है कि तमाम आंदोलनों, आरटीआई और अपीलों के बावजूद मेजर ध्यानचंद को आज तक भारत रत्न क्यो नहीं मिल सका ?

केंद्र सरकार ने 2021 में देश के सर्वोच्च खेल पुरस्कार राजीव गांधी खेल रत्न का नाम बदलकर मेजर ध्यानचंद खेलरत्न पुरस्कार कर दिया। लेकिन सवाल यह है कि जनभावना को देखते हुए देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान के लिए उनके नाम पर विचार क्यो नहीं किया जा रहा। हॉकी इंडिया के अध्यक्ष और तीन बार के ओलंपियन दिलीप टिर्की ने 2016 में इस मांग को लेकर जंतर मंतर पर आंदोलन की अगुवाई की और संसद में भी मसला उठाया लेकिन हर कोशिश नाकाम रही। टिर्की ने कहा, ध्यानचंद अपने दौर में दुनिया के सबसे बड़े खिलाड़ी थे। मैं हमेशा कहता हूं कि भारत को सबसे पहले ओलंपिक के स्वर्ण पदक हॉकी ने दिखाये हैं और उनका योगदान अतुलनीय है। देश के सबसे बड़े खेल पुरस्कार उनके नाम से, नेशनल स्टेडियम उनके नाम से तो भारत रत्न क्यो नहीं।

लगातार तीन ओलंपिक (1928 एम्सटर्डम, 1932 लॉस एंजिलिस और 1936 बर्लिन) में भारतीय टीम को स्वर्ण पदक दिलाने में सूत्रधार रहे ध्यानचंद ने पहली बार विश्व खेलों के मानचित्र पर भारत की जोरदार उपस्थिति दर्ज कराई थी। हॉकी के इतिहास में 185 अंतरराष्ट्रीय मैचों में सर्वाधिक 570 गोल का रिकॉर्ड भी उनके नाम है। ध्यानचंद के बेटे और 1975 में एकमात्र विश्व कप जीतने वाली भारतीय टीम के अहम सदस्य रहे अशोक ध्यानचंद ने कहा कि उनके पिता ने कभी अपना प्रचार नहीं किया और उन्हें इस पर गर्व है। उन्होंने भाषा से कहा, दुनिया में खेलों के नक्शे पर भारत को सबसे पहले लाने वाले वही थे। उनके निधन के 46 साल बाद भी उनका नाम आज गूंज रहा है और इसे ही महान खिलाड़ी की विरासत कहते हैं। मुझे उन पर गर्व है कि वे प्रचार से हमेशा दूर रहे।

उन्हें 1956 में देश के तीसरे सर्वोच्च नागरिक सम्मान पद्मभूषण से नवाजा गया लेकिन भारत रत्न के लिए बारंबार उनकी अनदेखी हुई और अब तो मामला ठंडे बस्ते में ही चला गया है।

नवंबर 2013 में मनमोहन सिंह की अगुवाई वाली केंद्र सरकार ने सचिन तेंदुलकर को भारत रत्न देने का ऐलान किया और वह इसे पाने वाले पहले और एकमात्र खिलाड़ी हैं। उन्होंने कहा, इतने महान खिलाड़ी होने के बावजूद मेरे पिताजी ने बहुत खराब दिन भी देखे लेकिन खुद्दारी नहीं छोड़ी। अपने लिए पुरस्कार मांगना तो वह कभी सोच भी नहीं सकते थे। घर के हालात देखकर हमने 1977 . 78 में एक गैस एजेंसी के लिए आवेदन करना चाहता लेकिन उन्होंने उस पर दस्तखत करने से इनकार कर दिया। अशोक कुमार ने कहा, वह हमेशा यही कहते थे कि मैने क्या किया, यह देखना सरकार का काम है। हम किसी से भीख थोड़े ही मांगेंगे। उन्होंने कहा, यह सरकार को दिखाना है कि वह ऐसे लोगों को भूली नहीं है जिन्होंने देश की निस्वार्थ सेवा की है।खेलों के लिए इतना काम हो रहा है और ऐसे में अतीत के महानायकों को भी भुलाना नहीं है। टिर्की ने कहा, 2016 में जंतर मंतर पर आंदोलन में बहुत सारे ओलंपियन अशोक कुमार, अजित पाल सिंह, जफर इकबाल, अजय बंसल, एबी सुब्बैया ने भाग लिया था।

जियो हॉटस्टार दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा स्ट्रीमिंग मंच, एक अरब स्क्रीन पर देगा सेवाएं : आकाश अंबानी

नई दिल्ली/भाषा। जियो हॉटस्टार दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा स्ट्रीमिंग मंच बन गया है। रिलायंस के मीडिया व्यवसाय और वैश्विक मीडिया दिग्गज वॉल्ट डिज्नी के भारतीय व्यवसाय के विलय के बाद बने संयुक्त उद्यम के पास जियो हॉटस्टार का स्वामित्व है। आकाश एम अंबानी ने रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) की सालाना आम बैठक (एजीएम) को संबोधित करते हुए कहा कि 34 प्रतिशत टीवी बाजार हिस्सेदारी के साथ जियो स्टार मोबाइल, टीवी और जुड़े हुए उपकरणों पर एक अरब स्क्रीन पर सेवाएं देने की राह पर है।

इसके अलावा, जियो स्टार विभिन्न मंच और भौगोलिक क्षेत्रों में विस्तार करना जारी रखेगा।अंबानी ने कहा, हमने एक ऐसा अनुभव तैयार किया है, जो जियो हॉटस्टार के जरिये सर्वश्रेष्ठ सामग्री, सॉफ्टवेयर और एआई को जोड़ता है। हम हमेशा सीमाओं को आगे बढ़ाना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि जियोस्टार का गठन भारत के मीडिया परिवेश के लिए एक निर्णायक क्षण था और कुछ ही महीनों में ''हमने कहानियों को कहने, पेश करने और अनुभव करने के तरीके को नया रूप देने के लिए कंटेंट, एआई और तकनीक का रणनीतिक रूप से लाभ उठाकर एक क्रांति ला दी है। अब जियोस्टार 3.2 लाख घंटे से ज्यादा के कंटेंट की पेशकश करता है, जो अगले दो ओटीटी मंच के संयुक्त कंटेंट से छह गुना ज्यादा है और हर साल इसमें 30,000 घंटे से अधिक जुड़ते हैं।

फिल्म उद्योग की हड़ताल के कारण रवि तेजा की 'मास जथारा' की रिलीज टली

नयी दिल्ली/भाषा

फिल्म उद्योग की हड़ताल के कारण जाने-माने फिल्म अभिनेता रवि तेजा और अदाकारा श्रीलीला अभिनीत तेलुगु फिल्म मास जथारा 27 अगस्त को रिलीज नहीं होगी। इसके निर्माताओं ने मंगलवार को यह जानकारी दी। प्रोडक्शन हाउस 'सितारा एंटरटेनमेंट्स' ने अपने 'एक्स' हैंडल पर कहा कि हाल में फिल्म उद्योग की हड़ताल और महत्वपूर्ण विषय-वस्तु को पूरा करने में अप्रत्याशित देरी के कारण, 'मास जथारा' अपनी निर्धारित तिथि 27 अगस्त को प्रदर्शित नहीं हो पाएगी।

उसने कहा कि इस फिल्म को जल्द से जल्द रिलीज़ करने के लिए टीम तेजी से काम कर रही है तथा फिल्म को रिलीज़ करने की नई तारीख का जल्द ऐलान किया जाएगा। 'तेलुगु फिल्म इंडस्ट्री एम्पलाइज फेडरेशन' ने कर्मचारियों के वेतन में 30 फीसदी वृद्धि की पुरानी मांग को लेकर चार अगस्त को हड़ताल का आह्वान किया था। तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के हस्तक्षेप के बाद 18 दिन बाद हड़ताल समाप्त हुई।

फिल्म 'द बंगाल फाइल्स' का पहला गाना 'किछु दिन मोने मोने' रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

फिल्ममेकर विवेक रंजन अग्निहोत्री की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'द बंगाल फाइल्स' का पहला गाना रिलीज हो गया है। गाने का नाम 'किछु दिन मोने मोने' है। यह गाना बांग्ला भाषा में है और 16 अगस्त 1946 को कलकत्ता में हुए डायरेक्ट एक्शन डे की झलक दिखाता है। यह उस समय के दर्द को संगीत के जरिए लोगों के सामने पेश करता दिखाई दे रहा है। इसमें एक महिला इकतारा लिए गाने को गाती दिख रही है। इसी के साथ ही गाने में फिल्म के कुछ सीन भी साथ-साथ चल रहे हैं। पार्वती बाउल द्वारा गाए और कंपोज किए गए 'किछु दिन मोने मोने' गाने को पारंपरिक बंगाली माहौल में बेहद खूबसूरती से पेश किया गया है। यह गाना काफी प्रभावशाली दिख रहा है।

'द बंगाल फाइल्स' के निर्देशक विवेक रंजन अग्निहोत्री हैं। यह फिल्म 5 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। यह फिल्म तेज नारायण अग्रवाल और आई एम बुद्धा प्रोडक्शंस द्वारा पेश की गई है। बीती 16 अगस्त को कोलकाता में मेकर्स ने ट्रेलर लॉन्च इवेंट आयोजित किया था। इस दौरान काफी हंगामा भी हुआ था। प्रशासन ने इसके ट्रेलर को रिलीज होने नहीं दिया। इसे लेकर फिल्ममेकर्स की पुलिस से काफी बहस भी हुई थी। वहीं, मिथुन चक्रवर्ती ने कहा था कि अगर कोई इस फिल्म को रोकेगा (बंगाल में), तो लोग अधिक संख्या में देखने जाएंगे।

इस फिल्म को बनाते समय पल्लवी जोशी और डायरेक्टर विवेक रंजन अग्निहोत्री के सामने क्या-क्या मुश्किलें आईं, इस बारे में एक्ट्रेस पल्लवी जोशी ने आईएएनएस से बात की थी।

उन्होंने आईएएनएस से कहा, हमारे सामने सबसे बड़ी बाधा यह थी कि हमें एहसास हुआ कि हम पश्चिम बंगाल में शूटिंग नहीं कर सकते हैं। अगर आप 'द बंगाल फाइल्स' की बात कर रहे हैं, तो कम से कम इसका एक हिस्सा राज्य में शूट करना होगा, लेकिन हमें अनुमति नहीं दी जाएगी, जिसके बारे में हमें पहले ही संकेत मिल गए थे। हमें मुंबई में एक सेट लगाना पड़ा, और इस फिल्म का अधिकांश हिस्सा बाहरी स्थानों पर शूट है। उन्होंने बताया कि मुंबई में बाहरी लोकेशन पर सेट लगाने से लागत बढ़ी। हमें नोआखली शहर को पूरी तरह बनाना पड़ा। यह एक विशाल सेट था, जिसकी लागत अधिक आई।

गोवा में फिल्मों की शूटिंग करना आसान, एक सितंबर से एकल खिड़की मंजूरी प्रणाली लागू

पणजी/भाषा

भारतीय सिनेमा के लिए 1960 के दशक से पसंदीदा स्थल रहे गोवा में शूटिंग करना और आसान हो जाएगा, क्योंकि इसके लिए यहां एक सितंबर से एकल खिड़की ऑनलाइन मंजूरी प्रणाली लागू हो जाएगी। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। फिल्मों में 1960 और 70 के दशक में फिल्माए गए सूर्य की किरणों से सराबोर समुद्र तटों से लेकर 2000 के दशक की शुरुआत में आई 'दिल चाहता है' की शहरी यादों तक गोवा ने हमेशा लुभाया है और यह देश में फिल्मों की शूटिंग के लिए सबसे पसंदीदा स्थलों में से एक रहा है। गोवा की औपनिवेशिक युग की वास्तुकला, घुमावदार ग्रामीण सड़कें, नदी के किनारे और प्रतिष्ठित समुद्र तट अनगिनत फिल्मों में दर्शाए गए हैं। इनमें 'बॉबी', 'त्रिशूल' से लेकर 'जोश', 'दिल चाहता है', 'डियर जिंदगी' जैसी फिल्मों की एक लंबी फेहरिस्त है।अधिकारियों ने बताया कि अब राज्य सरकार एक ऑनलाइन सुविधा पोर्टल के माध्यम से फिल्म शूटिंग के लिए एकल खिड़की मंजूरी प्रणाली शुरू करके फिल्म निर्माताओं का काम आसान करने के लिए तैयार है। गोवा सरकार की नोडल एजेंसी - एंटरटेनमेंट सोसाइटी ऑफ गोवा (ईएसजी) द्वारा शुरू की गई इस पहल से अनुमति प्रक्रिया को सरल बनाया गया है। ईएसजी की उपाध्यक्ष डेलिलाह लोबो ने पीटीआई वीडियोज को बताया, हमने पहले ही फिल्म सुविधा पोर्टल शुरू कर दिया है। यह एक ऑनलाइन सुविधा है जहां गोवा में फिल्म शूटिंग से संबंधित सभी अनुमतियों के लिए आवेदन किया जा सकता है। गोवा में शूटिंग में रुचि रखने वाला कोई भी व्यक्ति इस एकल-खिड़की प्रणाली का उपयोग कर सकता है।

उन्होंने बताया कि अब तक निर्माताओं को ईएसजी में स्वयं आवेदन जमा करना पड़ता था। लोबो ने कहा, 1 सितंबर से यह प्रक्रिया ऑनलाइन हो जाएगी। हमारी वेबसाइट से इसके बारे में अधिक जानकारी हासिल की जा सकती है।'' उन्होंने कहा कि इससे अधिक फिल्म निर्माताओं को गोवा को शूटिंग स्थल के रूप में चुनने में मदद मिलेगी। उद्योग के हितधारकों के लिए जो दशकों से अनुमतियों के चक्रव्यूह में फंसे हुए हैं, यह बहुप्रतीक्षित घोषणा है। लाइन प्रोड्यूसर दिलीप बोरकर, जिन्होंने अमिताभ बच्चन की फिल्म अग्निपथ (1990) से अपना करियर शुरू करने के बाद से गोवा में 700 से अधिक फिल्मों की शूटिंग में सहयोग दिया है, ने कहा कि इस कदम से विभिन्न विभागों से निपटने की जद्दोजहद कम हो जाएगी। बोरकर ने कहा, यह हमारे मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत की एक बहुत अच्छी पहल है। हम पिछले लगभग पांच सालों से इस पर बात कर रहे थे। अब, एक सितंबर से इसकी शुरुआत एक अच्छी खबर है।

कुंभ मेले में प्रसिद्ध हुई मोनालिसा भोंसले मलयालम फिल्म में अभिनय करेगी

नयी दिल्ली/भाषा

इस साल की शुरुआत में प्रयागराज में आयोजित महाकुंभ के दौरान प्रसिद्ध हुई 16 वर्षीय मोनालिसा भोसले मलयालम फिल्म 'नागम्मा' में काम करेगी। भोसले ने फिल्म के पूजा समारोह की तस्वीरें साझा कीं, जिसमें वह फिल्म अभिनेता कैलाश के साथ नजर आएंगी। पूजा समारोह में फिल्म निर्माता सिबी मलयिल भी शामिल हुए। वेबसाइट ऑन मनोरमा की खबर के अनुसार, पी बीनू वर्गीस द्वारा निर्देशित और जीली जॉर्ज द्वारा निर्मित फिल्म 'नागम्मा' में मोनालिसा महत्वपूर्ण भूमिका में होगी। इंदौर से लगभग 100 किलोमीटर दूर महेश्वर में रहने वाली भोंसले प्रयागराज में महाकुंभ के दौरान उस समय चर्चा में आई जब वह वहां रुद्राक्ष की मालाएं बेचने गई थी। उसकी चमकदार हल्की भूरी आंखें और मुस्कान के कारण उसे 'मोनालिसा' कहा जाने लगा। उसका असली नाम मोनी भोंसले है। फिल्म 'नागम्मा' की शूटिंग सितंबर के अंत तक शुरू होने की उम्मीद है।

सलमान खान के लिए कुछ हटकर फिल्म बनाना चुनौतीपूर्ण होता है : सूरज बड़जात्या

मुंबई/भाषा

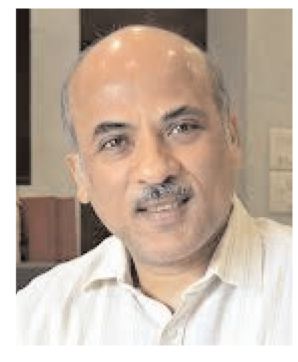

निर्देशक सूरज बड़जात्या का कहना है कि अभिनेता सलमान खान के लिए कुछ हटकर फिल्म बनाना हमेशा एक चुनौतीपूर्ण होता है। लंबे समय से सलमान खान के साथ काम करते आ रहे बड़जात्या की योजना अभिनेता के साथ एक एक्शन फिल्म बनाने की थी, लेकिन किरदार को लेकर स्पष्टता नहीं होने के कारण उन्होंने यह विचार फिलहाल टाल दिया। बड़जात्या और खान ने मैंने प्यार किया (1989), हम आपके हैं कौन..! (1994), हम साथ साथ हैं (1999) और प्रेम रतन धन पायो (2015) जैसी फिल्मों में साथ काम किया, जो काफी सफल रहीं। निर्देशक ने 'पीटीआई-भाषा' से बातचीत में कहा, कुछ विषय ऐसे होते हैं जिन्हें आप आगे नहीं ले जा पाते, आप क्लाइमैक्स नहीं बना पाते या किरदार नहीं गढ़ पाते। ....तो जब तक ये सब चीजें तय नहीं होतीं, तब तक फिल्म बनाना सही नहीं होता। उन्होंने कहा. ''मैंने अब तक मुश्किल से सात फिल्म बनाई हैं, लेकिन मैंने तय किया है कि जब तक मैं पूरी तरह आश्वस्त नहीं हो जाता, तब तक फिल्म नहीं बनाऊंगा। मुझे खुशी है कि सलमान भाई ने इस मामले में मेरा साथ दिया। आज उनकी उम्र को देखते हुए उनके लिए कुछ प्रासंगिक और नया बनाना और भी ज्यादा चुनौतीपूर्ण है।'' सलमान खान ने अपने 30 वर्षों से अधिक के करियर में कई शानदार फिल्में दी हैं, लेकिन कुछ वर्ष पहले रिलीज हुईं फिल्म जैसे सिकंदर, किसी का भाई किसी की जान, राधे, दबंग 3 और रेस 3 को दर्शकों से अपेक्षित प्रतिक्रिया नहीं मिली। इसके बावजूद बड़जात्या को खान के करियर को लेकर पूरा भरोसा है और उनके बड़े स्तर पर वापसी करने को लेकर आश्वस्त हैं।

उन्होंने कहा, हर किसी के जीवन में ऐसा समय आता है... फर्क सिर्फ इतना है कि वह एक सेलिब्रिटी हैं, इसलिए उन पर ज़्यादा ध्यान जाता है। लेकिन हर किसी को गलती करने और उससे सीखने की आज़ादी मिलनी चाहिए। यही जीवन है। बड़जात्या ने कहा, हमें एक-दूसरे को बढ़ने का अवसर देना चाहिए, इतना कठोर नहीं होना चाहिए। वह एक अच्छे इंसान हैं, बहुत मजबूत हैं और वह बहुत बड़े स्तर पर वापसी करेंगे। फिलहा सूरज बड़जात्या और सलमान खान दोनों अपने-अपने आगामी प्रोजेक्ट में व्यस्त हैं। बड़जात्या जल्द ही आयुष्मान खुराना और शरवरी अभिनीत एक पारिवारिक फिल्म पर काम शुरू करेंगे, जबकि सलमान खान अपूर्व लाखिया के निर्देशन में बन रही बैटल ऑफ गलवान की शूटिंग में व्यस्त हैं, जो वर्ष 2020 के गलवान घाटी संघर्ष पर आधारित है।

नोरा फतेही ने लॉस एंजिल्स में डांस वर्कशॉप में मचाई धूम

मुंबई/एजेन्सी

ग्लोबल स्टार नोरा फतेही चार्ट्स और डांस फ्लोर, दोनों पर आग लगा रही हैं! लॉस एंजिल्स में, नोरा ने एक हाई-एनर्जी डांस वर्कशॉप में हिस्सा लिया, जहाँ उन्होंने फैन्स और डांसर्स के साथ मिलकर 'ओ मामा! टेटेमा' कोरियोग्राफी में शानदार प्रदर्शन किया। नोरा सिर्फ दर्शक बनकर नहीं रहीं उन्होंने खुद डांस फ्लोर पर उतरकर युवा डांसर्स और कलाकारों को अपनी जोशीली एनर्जी से प्रोत्साहित किया। पूरा माहौल जोश और उत्साह से भर गया, फैन्स ने नोरा के हर मूव को कैमरे में कैद किया, जब वह सभी को प्रोत्साहित कर रही थीं। यह वर्कशॉप सिर्फ एक इवेंट नहीं बल्कि एक उत्सव बन गया संगीत, डांस और कम्युनिटी का उत्सव जिसे नोरा हमेशा आगे बढ़ावा देती रही हैं। इस बीच, उनका नवीनतम ट्रैक ओह मामा! टेटेमा दुनिया भर में नई ऊँचाइयों को छू रहा है। यह गाना स्पॉटिफ़ाई के ग्लोबल वायरल सॉन्ग्स चार्ट पर 29वें स्थान पर पहुँच गया है और भारत में चौथे स्थान पर पहुँच गया है, जिससे इसके क्रॉसओवर प्रभाव का प्रमाण मिलता है।

इस खबर पर प्रतिक्रिया देते हुए, नोरा ने प्रशंसकों के साथ अपना उत्साह साझा किया: दोस्तों, मैं बहुत एक्साइटेड हूं। आज सुबह उठते ही मुझे एक जबरदस्त खबर मिली। 'ओ मामा! टेटेमा' स्पॉटिफ़ाई के ग्लोबल वायरल चार्ट्स में नंबर 29 पर है। ग्लोबल चार्ट्स, समझे? ये पागलपन है! और हम इंडिया में नंबर 4 पर हैं। तो हम सच में आ रहे हैं आप सभी के लिए! मुझे लगता है ये गाना 2025 का समर एंथम बनने वाला है। और ये बस यू ही चलता ही रहेगा। मुझे ये गाना बहुत पसंद है, और मुझे पता है आप सबको भी बहुत पसंद है। मुझे लगता है हम इंस्टाग्राम पर एक मिलियन रील्स छूने वाले हैं। हर कोई इस पर डांस कर रहा है ये पागलपन है! हर तरफ सिर्फ रील्स ही रील्स हैं। ये एक स्पेशल मोमेंट है, ठीक है? एक सिंगर और म्यूजिकल आर्टिस्ट के रूप में ये मेरे लिए बहुत बड़ी बात है। मैं आप सबको बहुत प्यार करती हूं। जहाँ एक ओर 'ओ मामा! टेटेमा' ग्लोबल चार्ट्स पर छा गया है, वहीं नोरा 'कांचना 4' और कई अन्य फिल्मों के साथ स्क्रीन पर भी दस्तक देने को तैयार हैं। उनकी आने वाली फिल्म 'उफ्फ ये सियापा' जल्द ही रिलीज होने वाली है।

लेकिन एलए की उस वर्कशॉप में जिन फैन्स ने उनके साथ डांस किया, हँसे और वो पल जिए उनके लिए असली जादू सिर्फ संगीत में नहीं था, बल्कि उस स्टार के विनम्र स्वभाव में था, जो हमेशा अपने चाहने वालों पर अपनी चमक बिखेरना कभी नहीं भूलती। प्लेलिस्ट्स पर राज करने से लेकर दुनियाभर में डांस फीवर जगाने तक, नोरा फतेही एक बार फिर साबित कर रही हैं कि वह एक सच्ची ग्लोबल सेंसेशन क्यों हैं।

RNI No. 58061/93. Regn No.: NP/KA/BGS/2050/2018-2020 Posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026.

शुक्रवार को राजस्थान जैन श्वेतांबर मूर्तिपूजक संघ के तत्वावधान में उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए आचार्य विमलसागरसूरीश्वर ने कहा कि जैनधर्म के तीन मुख्य संप्रदाय थे, श्वेतांबर, यापनीय और दिगंबर।

शरीर पर आसक्ति हमें जप, तप से रोकती हैं : साध्वी शशिप्रभा

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के श्वेताम्बर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ अलसूर में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी शशिप्रभा जी ने कहा कि हम अपने शरीर की प्रेक्षा करें कि शरीर का उपयोग क्या है और उद्देश्य क्या है? शरीर पर घमंड नहीं करना चाहिए। यह शरीर मिट्टी का पुतला है किंतु मुक्ति पाने का साधन भी यही है। शरीर पर आसक्ति हमें जप, तप से रोकती है और हम अपना भव भ्रमण बढ़ा लेते हैं। तप करके हम इसका सार निकाल सकते हैं। साध्वी निपुणप्रभा जी ने कहा कि प्रार्थना साधना का महत्वपूर्ण साधन है। शरीर के रोम रोम से भक्ति बरसनी चाहिए। प्रार्थना करते समय आनंद की अनुभूति होनी चाहिए, प्रार्थना में याचना नहीं होनी चाहिए, मनुष्य भव पाकर फिर संसार बढ़ाने की कामना प्रार्थना में नहीं करनी चाहिए, प्रार्थना के आंसू मोती बन जाते हैं, तन, मन प्रफुल्लित हो जाना चाहिए। मात्र होंठ हिलाना तो प्रार्थना का नाटक है। अपने पुण्य प्रबल होंगे और अन्तराय टूटेंगे तो प्रार्थना साकार हो सकती है। अपनी प्रार्थना में तो मात्र मुक्ति की चाह होनी चाहिए। प्रवचन में इरोड, रायचूर आदि स्थानों से आए श्रद्धालु उपस्थित थे। अनेक श्रावक श्राविकाओं ने तप के प्रत्याख्यान लिए।

गणेश मंडल ने अन्नदान कर नगरथपेट आग हादसे के मृतकों को दी श्रद्धांजलि

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के नगरथपेट स्थित स्टील मार्केट गणेश मंडल के सदस्यों ने गणेश उत्सव की 7वीं वर्षगांठ बहुत ही मार्मिक निर्णय लेकर मनाई। गत दिनों नगरथपेट में एक बिल्डिंग में आग लगने से हुए हादसे में राजस्थान के जालौर जिले के पाँच लोगों की जलकर मृत्यु हो गई थी, सदस्यों ने उन पांचों मृतकों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए गणेश उत्सव न मनाकर केवल उन पांचों की स्मृति में अन्नदान किया।

आयोजकों ने बताया कि सबसे पहले मृतकों की आत्मा की शांति हेतु श्रद्धांजलि अर्पित की गई तथा गणेश मंडल के रघुवीरसिह दासपा, दलपतसिंह भायल, बाबूलाल चौधरी, राजू देवासी, भरत जैन, अशोक चौधरी, गणेशमल राजपुरोहित आदि ने अन्नदान में सहयोग किया।

यदि ईश्वर की कृपा हो तो सब कुछ संभव है : डॉ वरुणमुनि

अमरमुनि के 75वें दीक्षा दिवस पर सामूहिक आयंबिल तप साधना

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के गांधीनगर गुजराती जैन संघ में चातुर्मासार्थ विराजित श्रमण संघीय उपप्रवर्तक पंकजमुनिजी की निश्रा में डॉ वरुणमुनिजी ने कहा कि जब तक हमारी भक्ति में सेवा और त्याग नहीं है, तब तक हमारी भक्ति अधूरी है। उन्होंने कहा कि जब तक हम मानव जीवन में हैं, तब तक भक्ति, ज्ञान और वैराग्य विद्यमान हैं। प्रेम में त्याग आवश्यक है।

उन्होंने कहा कि यदि ईश्वर की कृपा हो तो सब कुछ संभव है। वरुणमुनिजी ने बताया कि श्रुताचार्य प्रवर्तकश्री अमरमुनि जी के 75 वें दीक्षा दिवस निमित्त गुरु अमर संयम अमृत वर्ष के अंतर्गत गुजराती वर्धमान स्थानकवासी जैन संघ गांधीनगर के तत्वावधान में एवं अखिल भारतीय श्रुताचार्यश्री गुरु अमर संयम अमृत महामहोत्सव समिति के सहयोग से 4 अक्टूबर को सामूहिक आयंबिल तप साधना का कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा जिसकी तैयारियां जोरों पर चल रही है। संघ के अध्यक्ष राजेश मेहता ने बताया कि यह आयोजन तुरखिया भवन में आयोजित होगा। रूपेश मुनि जी ने मधुर भजन प्रस्तुत किया। उपप्रवर्तक श्री पंकज मुनिजी ने मंगल पाठ प्रदान किया।

अग्रसेन भवन में मेगा रक्तदान शिविर कल

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। एकल युवा द्वारा रविवार को मेगा रक्तदान शिविर का आयोजन अशोका पिलर स्थित अग्रसेन भवन में किया जा रहा है। शहर के चार प्रमुख ब्लड बैंक एस्टर, अपोलो, नारायण हेल्थ ब्लड बैंक और संकल्प इंडिया फाउंडेशन इस शिविर में अपनी सेवाएं देंगे। इस मेगा रक्तदान शिविर में इंटरनेशनल वैश्य फेडरेशन(कर्नाटक यूथ विंग), राष्ट्रीय प्रजा प्रभुत्व सेना, खण्डेलवाल यूथ विंग, किल्लारी रोड ट्रेड एसोसिएशन, रावण राजपूत समाज ट्रस्ट, गुर्जर गौड़ ब्राह्मण समाज कर्नाटक, गौड़ ब्राह्मण संघ तथा मारवाड़ी युवा मंच, बेंगलूरु शाखा सहयोगी हैं। शिविर के संयोजक पवन राजलीवाल, उत्तम बागरेचा, गौरव शर्मा और गौरव अग्रवाल शिविर की तैयारियों में जुटे हुए हैं। शिविर में भाग लेने वाले सभी रक्तदाताओं को उपहार प्रदान किया जाएगा।

करतारपुर समेत बाढ़ प्रभावित सभी सिख धार्मिक स्थलों का मूल स्वरूप बहाल किया जाएगा : मुनीर

इस्लामाबाद/भाषा। पाकिस्तान के सेना प्रमुख फील्ड मार्शल सैयद आसिम मुनीर ने शुक्रवार को कहा कि भीषण बाढ़ से प्रभावित दरबार साहिब करतारपुर सहित सभी सिख धार्मिक स्थलों का मूल स्वरूप बहाल किया जाएगा। पाकिस्तानी सेना की ओर से जारी बयान के मुताबिक, मुनीर ने बाढ़ की स्थिति और राहत एवं बचाव कार्यों का जायजा लेने के लिए पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के सियालकोट सेक्टर, शकरगढ़, नरोवाल और करतारपुर सहित अन्य बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया। पाकिस्तान का सबसे बड़ा प्रांत पंजाब लगभग एक हफ्ते से भीषण बाढ़ की चपेट में है। पिछले 24 घंटों में वहां कम से कम 22 लोगों की मौत हो चुकी है और सिखों के पवित्र स्थल करतारपुर सहित पूरे प्रांत में कम से कम 1,700 गांव जलमग्न हो गए हैं। बयान के अनुसार, मुनीर को मौजूदा स्थिति और बारिश के अगले दौर के मद्देनजर की गई तैयारियों के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई।

प्रेम और मैत्री का आधार है क्षमा : साध्वी पुण्ययशा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के तेरापंथ भवन आरआर नगर में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी पुण्ययशाजी ने क्षमापर्व पर अपने प्रवचन में कहा कि क्षमा का अर्थ है प्रतिक्रिया और प्रतिशोध के सिलसिले को रोक देना।

क्षमा से प्रेम और मैत्री की धारा बहती है। आपसी सौहार्द वृद्धिगत होता है। क्रोध करने के बाद व्यक्ति को पश्चाताप, ग्लानि और थकान की अनुभूति होती है और क्षमा करने के बाद चित्त में शांति, संतोष व सुख की अनुभूति होती है। क्षमापना दिवस संवत्सरी का शिखर दिवस है, दिल से दिल को जोड़ने का दिवस है। साध्वी बोधिप्रभाजी ने गीतिका से मंगलाचरण किया। तेरापंथ सभा व ट्रस्ट के अध्यक्ष राकेश छाजेड़ ने सभी से क्षमा याचना करते हुए मैत्री दिवस की शुभकामनाएं दी। सभा के पूर्व अध्यक्ष कमलसिंह दुगड़, युवक परिषद अध्यक्ष के विक्रम महेर, मंत्री संदीप बैद, महिला मंडल की अध्यक्षा मंजु बोथरा, मंत्री वंदना भंसाली, पूर्व अध्यक्षा सुमन पटावरी ने मैत्री दिवस पर सबसे क्षमा याचना की। मंच का संचालन दिनेश मरोठी ने किया। पर्युषण पर्व में साध्वीश्री के सान्निध्य में एक पचरंगी तप, 10 अठाई, 3 नौ दिन की तपस्या, 8 पंचोले, एक 7 दिन का तप, 45 तेले, 55 बेले तथा सैकड़ो उपवास हुए। संवत्सरी के दिन तेरापंथ भवन में लगभग 141 पौषध हुए। साध्वीश्री विनितयशाजी, वर्धमानयशाजी, बोधिप्रभाजी ने सभी श्रावक समाज से मैत्री दिवस पर क्षमायाचना की।

'कर्मक्षय, आत्मशुद्धि व मोक्ष प्राप्ति के लिए की होती है तपस्या'

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। स्थानीय जिनकुशल सूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुड़ी में चातुर्मास हेतु विराजित मलयप्रभ सागर जी एवं साध्वी हर्षपूर्णा श्री जी की निश्रा में श्रुति छाजेड़ को मासक्षमण तप का प्रत्याख्यान प्रदान किया गया। दादावाड़ी ट्रस्ट के अध्यक्ष तेजराज मालानी और महामंत्री कुशलराज गुलेच्छा ने तपस्वी का सम्मान किया। संतश्री ने कहा कि जैन धर्म में मासक्षमण तपस्या कर्मों के क्षय, आत्मशुद्धि और मोक्ष प्राप्ति के लिए एक कठोर आध्यात्मिक साधना है, जिसमें केवल गर्म पानी का सेवन किया जाता है। आत्मशुद्धि और कर्मनिर्जरा हेतु यह तपस्या पिछले जन्मों के संचित कर्मों को नष्ट करने और आत्मा को शुद्ध करने का एक शक्तिशाली साधन है। साध्वी हर्षपूर्णाश्री ने कहा कि तपस्या से मन बाहरी विषयों से हटकर आध्यात्मिकता में लीन हो जाता है। इस तपस्या से व्यक्ति अपनी सुप्त ऊर्जा को जागृत करता है, उसे संरक्षित करता है और फिर उसका उपयोग चित्त-शुद्धि के लिए करता है।

अरविन्द कोठारी ने तपस्या की जानकारी दी। ललित डाकलिया ने तपस्वी के तप की अनुमोदना की। खरतरगच्छ संघ के सदस्यों ने भी तपस्वी का सम्मान किया।

कलियुग में कथा-कीर्तन से ही जीवन का कल्याण संभव है : संतश्री ज्ञानमुनि

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । स्थानीय यलहंका स्थित सुमतिनाथ जैन संघ के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित ज्ञानमुनिजी ने कहा कि संसार की सारी माया व बात सपने जैसी है। सपने में मनुष्य कहीं का कहीं पहुंच जाता है। प्राणी को समझ जाना चाहिए कि यह संसार सपना है। जैसे पानी में थोड़ी देर के लिए झाग आता है और फिर खत्म हो जाता है। वैसा ही संसार है। झूठी मोह, माया के चक्कर में मानव जीवन बर्बाद कर रहा है लेकिन यह सपने जैसा संसार एक दिन खत्म हो जाएगा। मनुष्य कितना भी उपाय कर ले, अगर भाग्य में है तो मिलेगा। भाग्य में नहीं है तो हाथ में आई चीज भी चली जाएगी। भगवान के चरणों में मानव भव का कल्याण निश्चित है। इतना जानने के बाद भी मनुष्य भगवान के सन्मुख नहीं जा रहा है। मनुष्य संसार के ऐसे जाल में फंसा है कि उसको चैन भी नहीं है। इस कलियुग में कथा-कीर्तन से ही जीवन का कल्याण संभव है, इसके अलावा और कोई माध्यम नहीं है। संसार मायाजाल है। यहां समय आने पर राजा रंक और रंक राजा बन जाता है। मनुष्य यहां रह कर अपना कर्तव्य भूल जाता है लेकिन याद रखो संसार में जल में कमल की तरह रहो। ऐसा करने पर आनंद के भागी बनेंगे। संयोजक नेमीचंद लुकड़ ने सभी का स्वागत किया। महामंत्री मनोहरलाल लुकड़ ने संचालन किया।

अहंकार पतन का कारण है : नरेशमुनि

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। मागड़ी रोड स्थित गुरु ज्येष्ठ पुष्कर दरबार में प्रवचन में उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए उपप्रवर्तकश्री नरेश मुनिजी ने कहा कि व्यक्ति को जीवन में सरलता का गुण अपनाना चाहिए, क्योंकि सरल हृदय में ही धर्म का वास होता है। मान अहंकार साधक के मुक्ति में बाधक तत्व है। उन्होंने कहा कि व्यक्ति को कभी भी अपने ज्ञान, दौलत वैभव, तप साधना आदि किसी भी चीज का अहंकार नहीं करना चाहिए। साधना तप आदि में किया गया अहंकार भी साधक के लिए तप से ताप रूप में परिणत हो जाता है। मुनिश्री ने जिनकल्पी एवं स्थविर कल्पी मुनि के संयम, तप चर्या आचरण पर सारगर्भित प्रकाश डालते हुए गुरुदेव श्री ज्येष्ठमलजी एवं गुरुदेव श्री पुष्करमुनिजी के विशिष्ठ ज्ञान, संयम, तप साधना पर भी संक्षिप्त रूप से प्रकाश डालते हुए उन्हें महान ज्ञानी, ध्यानी,

वचन सिद्धि के साधक, महान, संयमी साधक, सन्त शिरोमणि रत्न बताया। इस अवसर पर उप प्रवर्तक श्री नरेश मुनिजी के साथ साध्वी सत्यप्रभाजी, तरुण शीलाजी, डॉ मेघाश्रीजी, सिद्धमश्रीजी ने साध्वीश्री धर्मशीलाजी को उनके जन्म दिवस पर शुभकामनाएं देते हुए उनके दीर्घायु और सफल संयम जीवन की मंगल कामना की। सभा में अनेक तपस्वियों ने तप के प्रत्याख्यान ग्रहण किए। संघ की ओर से तपस्वियों का सम्मान किया गया। कार्यक्रम का संचालनशालिभद्र मुनिजी ने किया।

दक्षिण में सर्वाधिक प्रभाव था यापनीय जैन संप्रदाय का : आचार्य विमलसागरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गदग। शुक्रवार को राजस्थान जैन श्वेतांबर मूर्तिपूजक संघ के तत्वावधान में उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए आचार्य विमलसागरसूरीश्वर ने कहा कि जैनधर्म के तीन मुख्य संप्रदाय थे, श्वेतांबर, यापनीय और दिगंबर। इनमें से यापनीय संप्रदाय पूरी तरह विलुप्त हो चुका है। दक्षिण भारत के केरल, कर्नाटक, तमिलनाडु, आंध्रप्रदेश और तेलंगाना में यापनीय जैन संप्रदाय का सर्वाधिक प्रभाव था। इन राज्यों के अधिकतर प्राचीन जैन मंदिर और तीर्थंकरों की मूर्तियां यापनीय संप्रदाय की हैं। कभी तिरुपति बालाजी मंदिर भी यापनीय जैन संप्रदाय का था। सातवीं-आठवीं शताब्दी के तमिलनाडु के रामानुजाचार्य के भक्ति आंदोलन और कर्नाटक के संत बसवण्णा के बाद यापनीय संप्रदाय धीरे-धीरे पूरी तरह नामशेष हो गया। इस संप्रदाय के साधु जंगलों में नग्न रहते थे, लेकिन बस्तियों में कपड़े पहनकर आते थे। ये श्वेतांबर परंपरा के आगम शास्त्रों को मानते थे। ज्ञान और साहित्य के आदान-प्रदान के कारण यापनीय और श्वेतांबर जैन परंपरा के बीच निर्मल मैत्री संबंध थे। सदियों तक जन-जन को शांति और उन्नति की प्रेरणा देती यापनियों की यह महान धर्म परंपरा अब केवल शिलालेखों, जिनमंदिरों और ग्रंथों में मौजूद है। ङ्जैनाचार्य विमलसागरसूरीजी ने कहा कि माध्यस्थ मानसिकता के धनी यापनियों के ग्रंथों में किसी पक्ष के समर्थन या विरोध का स्वर दिखाई नहीं देता। किसी व्यक्ति की कमजोरी को जानते हुए भी उसका तिरष्कार न करना और किसी व्यक्ति की कोई विशेषता जानते हुए भी उससे अत्यधिक ममत्व न रखना, ऐसी मनःस्थिति को माध्यस्थ वृत्ति कहा जाता है। यह अद्भुत विचारधारा आध्यत्म के गहरे अभ्यास से ही उपलब्ध हो सकती है। यापनीय जैन साधुओं के पास स्वभाव की यह भव्यता थी। यापनीय संप्रदाय के आचार्य धरसेन ने गुजरात के गिरनार की चंद्रगुफा में स्वर्णसिद्धि और रासायनिक प्रक्रिया के एक अद्भुत ग्रंथ का निर्माण किया था। उन्होंने दिगंबर परंपरा के षट्खंडागम के सर्जक पुष्पदंत और भूतबलि को गिरनार की चंद्रगुफा में विद्या अध्ययन भी करवाया था। लंबे समय तक इस पृथ्वी पर अस्तित्व में रही इस यापनीय जैन परंपरा में कोई विभाग, विभाजन या भेद नहीं था, वे सब एक थे। परस्पर एकता और सद्भावना की मानसिकता मनुष्य के स्वभाव की बहुत बड़ी विशेषता है। यह हर किसी के पास नहीं होती। एकता पर कविता लिखना या भाषण देना सरल है, लेकिन सद्भावना पूर्वक साथ रहना सरल नहीं है। यापनीय जैन संप्रदाय से एकता और सद्भावना की सीख लेने जैसी है।

आचार्य विमलसागरसूरीश्वर ने आगे कहा कि कर्नाटक, महाराष्ट्र, आंध्रप्रदेश और तमिलनाडु से प्राप्त शिलालेखों में यापनीय संप्रदाय का प्रामाणिक इतिहास मिलता है। व्यक्ति से भी बढ़कर उसकी विचारधारा की उम्र लंबी होती है। आज व्यक्ति के रूप में कोई यापनीय मौजूद नहीं हैं, लेकिन उनकी विचारधारा ग्रंथों में रूप में लंबे समय तक मानवता का मार्गदर्शन करने का सामर्थ्य रखती है। संघ के मंत्री हरीश गादिया ने बताया कि रविवार को स्थानीय व आसपास के क्षेत्रों का सकल जैन समाज गदग के चार जैन मंदिरों की पैदल परिक्रमा करेगा। कोषाध्यक्ष निर्मल पारेख ने अन्य जानकारी दी।

हनुमन्तनगर में सामूहिक क्षमापना कार्यक्रम आयोजित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ हनुमन्तनगर में संघ सदस्यों हेतु सामूहिक क्षमापना का गुरुवार को स्थानक भवन में आयोजन किया गया।

संघ के अध्यक्ष गौतम चंद सिंघवी ने सभी का स्वागत करते हुए सभी से क्षमायाचना की। मंत्री सुरेश धोका ने बताया कि त्यागराजनगर संघ एवं साधुमार्गी संघ के सहयोग से त्यागराजनगर में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी प्रणामश्रीजी व निर्गंथश्रीजी के सान्निध्य में पर्युषण पर्व की आराधना हुई।

उपस्थित सभी जनों ने विभिन्न तपस्वियों के तप की अनुमोदना की। इस अवसर पर पारसमल दुग्गड़, पूर्व अध्यक्ष कल्याणसिंह बुरड़, हुकमीचंद कांकरिया, महिला मंडल की मंत्री संगीता धोका, युवा अध्यक्ष शीतल रांका, गौतमचंद गोटावत आदि ने अपने विचार व्यक्त किए। महिला मण्डल द्वारा क्षमा पर एक गीतिका प्रस्तुत की गई। इस अवसर पर संघ के उपाध्यक्ष हुकमीचंद बाफणा, महिला मण्डल की अध्यक्षा मंजू बाई बालिया, युवक मण्डल के अध्यक्ष शीतल रांका सहित उपस्थित सभी सदस्यों ने आपस में एक दूसरे से क्षमायाचना की।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com